अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष–10 अंक–232 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ रविवार 21 नवम्बर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

लीवर खराब के चलते अधेड़ की मौत

अवध की आवाज

पिरौना (जालौन) पूंछ थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस चौकी ढ़ेरी की पुलिया से 100 मीटर की दूरी पर म्रत अवस्था मे मिला 55 वर्षीय अधेड़ का शव अनुमान लगाया जा रहा है कि शौचक्रिया कर रहा होगा जनपद जालौन के एट थाना प्रभारी विनय कुमार दिवाकर अपने साथ एसआई संजय कुमार पाल के साथ मौके पर पहुचे। वही जनपद झांसी के पूंछ थाना इंचार्ज विमलेश कुमार, एसआई ब्रजेश कुमार साहू अपने फोर्स के साथ घटना स्थल पहुचे। इसके बाद झांसी से फोरेंसिक टीम को सूचना दी जानकारी के अनुसार ओंकार सिंह (55)वर्षीय पुत्र नाथूराम निवासी पटेल नगर कुर्मी कालौनी कोतवाली उरई निवासी थे और जनपद झांसी की तहसील मऊरानीपुर के नगर पालिका परिषद में सफाई एवं कर निरीक्षक के पद पर कार्यरत थे ड्यूटी करके अपने गाड़ी बेलोरो न्0्92 ।।3687 से घर उरई जा रहे थे कि जैसे ही ढ़ेरी की पुलिया निकले और शौचक्रिया दौरान मौत हो गई मौके पर पहुची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। म्रतक के पुत्र आदित्य ने बताया कि पिता जी का इलाज चल रहा था जिसमे लीवर खराब रहता था इसी दौरान पिता की मौत हुई पुलिस को उपचार के डोकोमेंट दिखाए।

किसान आंदोलन मे हुई किसानों की मौत का जिम्मेदार कौन राघव अग्निहोत्री

अवधी की आवाज

कालपी (जालौन) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कृषि कानून को वापस लेने पर समाजसेवी एवं समाजवादी पार्टी के कालपी विधानसभा क्षेत्र से प्रबल दावेदार राघव अग्निहोत्री ने प्रेस से मिलिये कार्यक्रम मे अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह मोदीजी का चुनावी हथकंडा है उन्होंने कहा कि यदि यही कार्य वह पहले कर लेते तो सैकड़ों किसानों की जाने नहीं गई होती उन्होंने अभी हाल ही मे हुए चुनावों मे मिली हार से घबरा कर कानून वापस किये हैं । लेकिन किसान अब सब जान गया है , समझ गया है इससे उनकी पार्टी भाजपा को कतई ही कोई लाभ नहीं मिलने वाला है । यह वही सरकार है जिसने किसानों तथा गरीबों को ठगना चाह रही थी , जीप चढ़ाई तथा उग्रवादी आदि आदि शब्दों से नवाजा था । आखिर मे किसानों की ही जीत हुई इन तीनों किसान विरोधी काले कानूनों को समाप्त कराने मे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का भी पूरा सहयोग रहा जो कि एक सराहनीय कदम रहा । राघव अग्निहोत्री ने कहा कि किसानों की मोतों का जिम्मेदारत कौन ? उनकी मौत की भरपाई कैसे होगी । उनके परिवारजनों को नौकरी एवं उचित मुआवजा दिया जाय । प्रेस से मिलिये कार्यक्रम के तहत प्रमुख रूप से लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव अजीत यादव, सपा नेता सोनू यादव, गुलाम हसन, अमन तिवारी मौजूद रहे ।

आतंरिक सुरक्षा पर मंथन के लिये मोदी पहुंचे डीजीपी कांफ्रेंस में

लखनऊ, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के तीन दिवसीय दौरे पर आये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश की आंतरिक सुरक्षा पर केन्द्रित 56वें अखिल भारतीय पुलिस महानिदेशक. महानिरीक्षक सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिये शनिवार सुबह यहां पुलिस मुख्यालय पहुंचे। तीन दिवसीय सम्मेलन का उदघाटन शुक्रवार को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने किया था। उत्तर प्रदेश की राजधानी में पहली बार आयोजित हो रहे इस सम्मेलन में नक्सलवाद,आतंकवाद और माफिया तत्वों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उपायों पर चर्चा होगी। मोदी आज और कल यानी रविवार को भी सम्मेलन का हिस्सा बनेंगे और अपने विचार व्यक्त करेंगे। प्रधानमंत्री आज पूरे दिन कांफ्रेंस में मौजूद रहेंगे और रात्रि भोज भी सम्मेलन स्थल पर ही लेंगे।

इससे पहले शाह ने सम्मेलन का उदघाटन करते हुये प्रभावी पुलिस व्यवस्था के लिये पुलिस थानो और बीट स्तर के सुधारों पर जोर देते हुये कहा था कि आतंरिक सुरक्षा के लिये राज्य पुलिस तथा केंद्रीय एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल की जरूरत है। उन्होने तटीय सुरक्षा, वामपंथी उग्रवाद, नारकोटिक्स, साइबर क्राइम तथा सीम प्रबंधन जैसे सुरक्षा विषयों पर जोर दिया।

यूपी के तीन दिवसीय दौरे पर आये मोदी ने शुक्रवार को बुंदेलखंड के झांसी और महोबा में विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण एवं

शिलान्यास किया था जिसके बाद वह देर रात लखनऊ पहुंच गये जहां उनका स्वागत गृह मंत्री अमित शाह, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया था।

डीजीपी सम्मलेन उत्तरप्रदेश में पहली बार आयोजित किया जा रहा है। दो दिवसीय इस सम्मेलन में आतंकवाद विरोधी चुनौतियां, वामपंथी उग्रवाद, पुलिस सुधार, पुलिस आधुनिकीकरण, साइबर क्राइम व आंतरिक सुरक्षा सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हो रही है। लखनऊ के गोमतीनगर में हो रहे इस कार्यक्रम में राज्य/ केंद्र शासित प्रदेशों के डीजीपी, केंद्रीय सशस्त्र बलों और केंद्रीय पुलिस संगठनों के मुखिया, सीबीआई के निदेशक शामिल हो रहे हैं। इसके अलावा आमंत्रित पुलिस अधिकारी आइबी, राज्य आइबी मुख्यालयों में 37 विभिन्न स्थानों से वर्चुअल माध्यम से सम्मेलन में भागीदारी की।

सम्मेलन के पहले दिन आंतरिक सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई जिनमें जेल सुधार, कट्टरवाद से मिल रही चुनौतियाँ तथा पुलिस प्रशिक्षण जैसे विषय शामिल रहे। इस वर्ष पहली बार, सम्मेलन में चर्चा किए जाने वाले समसामयिक सुरक्षा मुद्दों पर राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के 200 से अधिक विभिन्न वरिष्ठता के अधिकारियों से उनके विचार मांगे गए।

मायावती ने कृषि कानून वापस लिए जाने को चुनावी स्वार्थ तथा मजबूरी का फैसला बताया

अवध की आवाज

लखनऊ (वेब वार्ता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने शनिवार को कृषि कानून वापस लिए जाने को चुनावी स्वार्थ तथा मजबूरी का फैसला बताते हुये कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार की नीयत पर शक किया जा रहा हैं। उन्होंने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि किसानों ने कांग्रेस की इंदिरा गांधी सरकार के अहंकार और तानाशाही वाले रवैये को काफी झेला है। अब पूर्व की तरह स्थिति देश में दोबारा नहीं होनी चाहिए। बसपा नेता ने शनिवार को ट्वीट कर कहा, ''देश में तीव्र आन्दोलन के बाद तीन विवादित कृषि कानूनों की वापसी की केंद्र सरकार की घोषणा का देर आए दुरुस्त आए यह कहकर स्वागत किया गया, किन्तु इसे चुनावी स्वार्थ व मजबूरी का फैसला बताकर भाजपा सरकार की नीयत पर भी शक किया जा रहा है। अतः इस बारे में कुछ और ठोस फैसले जरूरी हैं।''

परिवार कल्याण कार्यक्रम को शहरी क्षेत्र में सुदृढ़ बनाने पर मंथन

स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पीएसआई संस्था के सहयोग से कार्यशाला आयोजित

लखनऊ मंडल के सभी जिलों के परिवार कल्याण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी रहे उपस्थित

अवध की आवाज

लखनऊ । शहरी क्षेत्रों में परिवार कल्याण कार्यक्रमों को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पॉपुलेशन

सर्विसेज इंटरनेशनल (पीएसआई) के सहयोग से शनिवार को स्थानीय एक होटल में कार्यशाला आयोजित हुई । कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने को लेकर कार्यशाला में विभिन्न योजनाओं पर विचार–विमर्श हुआ । कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के लखनऊ मंडल के अपर निदेशक डा. (मेजर) जी. एस. बाजपेई ने कहा – शहरी क्षेत्र में परिवार कल्याण कार्यक्रमों की आवश्यकता ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा अधिक है । इसलिए हमें शहरी क्षेत्र पर भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है । परिवार कल्याण कार्यक्रमों की नियमित निगरानी कर कार्यक्रम को सफल बनाया जा सकता है । आशा है कि आने वाले समय में हम इस दिशा में और बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकेंगे । इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मंडलीय प्रबंधक राजा राम ने कहा – शहरी क्षेत्र में परिवार नियोजन कार्यक्रमों को सुचारू रूप से चलाने के लिए जहां आशा कार्यकर्ता और एएनएम की नियुक्ति की गई है वहीं हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता, रोगी कल्याण समिति और महिला आरोग्य समिति भी काम कर रही है । परिवार नियोजन साधनों की ग्राह्यता को बढ़ाने के उद्देश्य से आशा चौराहा मीटिंग जैसी पहल को अपनाया जा रहा है । पीएसआई के राज्य प्रतिनिधि विवेक द्विवेदी ने संस्था द्वारा परिवार कल्याण कार्यक्रमों को लेकर किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से बताया । उन्होंने बताया – जनपद लखनऊ में परिवार कल्याण कार्यक्रम को बेहतर ढंग से चलाने के लिए मुख्य नौ अत्यधिक प्रभावी बिंदुओं पर काम हो रहा है । नियत सेवा दिवस का आयोजन, आशा कार्यकर्ता को और अधिक सुदृढ़ करना, आंकड़ों पर आधारित निर्णय लेना आदि इसमें शामिल हैं । कार्यशाला में त्रैमासिक गर्भनिरोधक इंजेक्शन अंतरा और पुरुष नसबंदी को लेकर भ्रांतियों को दूर करने के तरीकों पर भी बात हुई । इस अवसर पर लखनऊ मंडल के लखनऊ सहित उन्नाव, सीतापुर, रायबरेली, लखीमपुर और हरदोई जिलों के परिवार कल्याण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी और अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे । इसके अलावा सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफार), परिवार सेवा संस्थान, आई–पास, ममता, पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया, फेमिली प्लानिंग ऑफ इंडिया, उत्तर प्रदेश तकनीकी सहयोग इकाई (यूपी टीएसयू) के प्रतिनिधि और पीएसआई की पूरी टीम उपस्थित रही ।

उत्तर प्रदेश के 18 शहर देश के प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित

अवध की आवाज

नई दिल्ली। स्वच्छ सर्वेक्षण–2021 का परिणाम घोषित। इसके लिये विज्ञान भवन नई दिल्ली में ''स्वच्छ अमृतमहोत्सव–2021'' कार्यक्रम आयोजित किया गया। उत्तर प्रदेश

का वाराणसी भाहर बेस्ट गंगा टाउन घोषित। अवार्ड राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने प्रदान किया। राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण परिणाम के अन्तर्गत प्रदेश के18 शहर सम्मानित किये गये। आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के तहत आयोजित स्वच्छ अमृत महोत्सव–2021 में उत्तर प्रदेश के 18 शहरों को देश के प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। शनिवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित स्वच्छ अमृत महोत्सव–2021 में महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द जी ने ''नम्बर वन बेस्ट गंगाटाउन'' का पुरस्कार वाराणसी शहर को प्रदान किया। वाराणसी को यह पुरस्कार एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी मेंमिला हैं। यह पुरस्कार प्रदेश के नगर विकास मंत्री श्री आशुतोष टंडन जी ने वाराणसी की महापौर श्रीमती मृदुला जयसवाल, सचिव नगर विकास अनुराग यादव एवं नगर आयुक्त श्री प्रणय सिंह के साथ महामहिम राष्ट्रपति से ग्रहण किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के मार्ग– दर्शन एवं नगर विकास मंत्री आशुतोष टण्डन जी के नेतृत्व में प्रदेश के शहरों में स्वच्छता विषयक अभियान के तहत प्रदेश के नगरों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुये यह सफलता प्राप्त की है। इस महोत्सव में एक लाख की आबादी वाले शहरों की श्रेणी में कन्नौज को भी ''नम्बर वन बेस्ट गंगा टाउन'' का पुरस्कार मिला। इसी के साथ स्वच्छ अमृत महोसव–2021 प्रदेश की राजधानी लखनऊ को ''बेस्ट स्टेट कैपिटल इन सिटीजन फीड बैक'' का पुरस्कार दिया गया। लखनऊ को मिले इस पुरस्कार को लखनऊ की महापौर श्रीमती संयुक्ता भाटिया, नगर आयुक्त अजय कुमार द्विवेदी एवं अन्य अधिकारियों ने प्राप्त किया। इन सभी पुरस्कारों को केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार के मंत्री हरदीप सिंह

पुरी व मंत्रालय के राज्यमंत्री कौशल किशोर ने पुरस्कार पाने वाले शहरों के महापौर एवं अधिकारियों को प्रदान किये। प्रदेश के एक अन्य बड़े शहर मेरठ को ''फास्टेट्स मूवर बिग सिटी'' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मेरठ को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार 10 लाख से 40 लाख तक की आबादी वाले शहरों की श्रेणी के तहत मिला है। इसी तरह इसी श्रेणी में ही गाजियाबाद को ''बेस्ट बिग सिटी इनोवेशन एण्ड बेस्ट प्रेक्टिसेस'' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। नोएडा को 3 लाख से 10 लाख तक के आबादी के शहरों की श्रेणी में ''इण्डियाज क्लीनेस्ट मीडियम सिटी'' का पुरस्कार मिला। इसी तरह हापुड़ शहर को 1 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की रेणी में ''बेस्ट सिटी इन मैक्सीमम सिटीजन्स पार्टी सीपेशन'' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पटियाली को 1 लाख से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में ''बेस्ट सिटी इन मैक्सीमम सिटीजन्स पार्टी सीपेशन'' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हसनपुर शहर को 50 हजार से 1 लाख की श्रेणी में ''फास्टेट मूवर सिटी'' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आवागढ़ शहर को 25 हजार आबादी वालेशहरों की श्रेणी में एवं गजरौला को 50 हजार से 1 लाख की श्रेणी में ''बेस्ट सिटी इन सिटीजन फीड बैक'' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी के साथ मेरठ कैन्ट को 1 लाख की आबादी वाले शहर की श्रेणी में ''इण्डियाज क्लीनेस्ट कैन्टोन मेन्ट'' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही वाराणसी कैन्ट को लाख से अधिक आबादी वाले शहर की श्रेणी में ''बेस्ट कैन्टोनमेन्ट इन सिटीजन फीड बैक'' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।इसी तरह गार्वेज फी सिटी शहरों की श्रेणी में प्रदेश के 5 शहरों को स्टार रेटिंग का पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इसमे 10 लाख की आबादी से अधिक शहरों की श्रेणी में लखनऊ एवं गाजियाबाद को, 1 लाख से 10 लाख की आबादी वाले शहरों की श्रेणी में नोएडा, अलीगढ़ एवं झाँसी को स्टार रेटिंग का पुरस्कारमिला। यह भी महत्वपूर्ण है कि प्रदेश में विगत स्वच्छ सर्वेक्षण–2020 में सातवीं रैंक हासिल की थी। उक्त में प्रगति करते हुये वर्तमान सर्वेक्षण–2021 में प्रदेश की रैकिंग छठवें स्थान पर रही। नगर विकास मंत्री श्री आशुतोष टण्डन जी व अपर मुख्य सचिव, डॉ रजनीश दुबे ने इन शहरों को मिले पुरस्कारों के लिए संबंधित नगर नगरीय निकायों के नागरिकों की व्यापक भागीदारी के लिये एवं मेयरगण, अध्यक्षगण एवं अधिकारियों को उत्साहपूर्वक कार्य करते हुये उपलब्धी हासिल करने के लिये बधाई दी है। श्री आशुतोष टण्डन जी ने प्रदेश में स्वच्छता को आंदोलन के रूप में परिवर्तित करने के लिये संतोष प्रकट करते हुये आगामी सर्वेक्षण में और अधिक उपलब्धियॉ प्राप्त करने के लिये प्रेरित किया।

दुनिया में दान वीरों की कमी नहीं

सोनबरसा स्कूल को दान में मिला फर्नीचर

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोंडा। सरकार तमाम सारे प्रयास साल दर साल करते हुए बेसिक के विद्यालयों को संवारने में लगी है। स्कूलों को सभी प्रकार से सुविधा संपन्न बनाने का प्रयास कर रही है। पाठ्य पुस्तक से लेकर खेल सामग्री पुस्तकालय आदि के साथ ही साथ आधुनिक उपकरणों व फर्नीचर की व्यवस्था कर रही है। लेकिन ये सारे प्रयास छात्रों व स्कूलों की बड़ी तादाद होने के कारण कम ही पड़ जाते हैं। जिससे बच्चों व शिक्षकों को समस्याओं से दो–चार होना पड़ता है और अध्ययन अध्यापन में असुविधाओं का सामना करना पड़ता है।

लेकिन ईश्वर ने समाज व समुदाय में ऐसे तमाम सारे दयावान व दानवीरों को पैदा कर रखा है जो सरकारी स्कूल के इन अभाव ग्रस्त बच्चों की समस्याओं से अपने को जोड़कर देखते हैं और अपनी क्षमता अनुसार उसे दूर करने का प्रयास करते हैं।

इसी क्रम में ग्राम बंजरिया झिलाही निवासी राजेंद्र प्रसाद जो कि सेना के भूतपूर्व सैनिक रह चुके हैं एवं वर्तमान में भारतीय जीवन बीमा निगम कार्यालय मनकापुर में गार्ड के पद पर तैनात हैं ने कंपोजिट स्कूल सोनबरसा बक्सरा आझाराम मनकापुर को 30 बेंच दान स्वरूप दिया। जिससे कम से कम किसी एक कक्षा के बच्चों को पढ़ने में दिक्कत का सामना ना करना पड़े। बताते चलें कि इस स्कूल के बारे में राजेंद्र प्रसाद सुनते आ रहे थे। ज्यादा जाने का अवसर कोविड के समय में हुआ जब विद्यालय बंद चल रहे थे। स्कूल बंद होने के बावजूद भी शिक्षक बलजीत सिंह कनौजिया गांव गांव शिक्षण सामग्री व श्यामपट्ट ले जाकर बच्चों को मोहल्ला क्लास के जरिए पढ़ाते थे। इससे राजेंद्र प्रसाद और प्रभावित हुए और शिक्षक से संपर्क करके स्कूल में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। जानकारी प्राप्ति के दौरान यह पाया के बच्चे चटाई पर बैठकर पढ़ते हैं। बड़े बच्चों को बैठकर पढ़ने में ज्यादा झुकना पड़ता है और दिक्कत पेश आती है। बस इसी समस्या को दूर करने के लिए इन्होंने बेंच दान करने के लिए सोचा और आज वह दिन आ गया। इसके पहले इन्होंने मोहल्ला क्लाश के दौरान बच्चों में टॉफी चॉकलेट टूथपेस्ट ब्रश शैंपू आदि का भी वितरण कर चुके हैं। विद्यालय को दान स्वरूप बेंच मिलने पर खंड शिक्षा अधिकारी मनकापुर विशाल यादव, ए आर पी जितेंद्र वर्मा व सूर्यभान राम, शिक्षक बलजीत सिंह कनौजिया, रामानुज, शताब्दी वर्मा, अमरज्योति शर्मा, सुरेश कुमार, देवेंद्र प्रताप, पूनम यादव, अनुराधा मिश्रा, चित्रावती मौर्य, अमरजीत वर्मा व बच्चों द्वारा प्रसन्नता व्यक्त करते हुए दानदाता का आभार व्यक्त किया।

उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में मानस मेला के पावन अवसर पर लालबाग शहीद पार्क सीतापुर में प्रादेशिक संस्कृत सम्मेलन आयोजित

सीतापुर (सू0वि0) संस्कृत सम्मेलन आयोजन समिति, उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में मानस मेला के पावन अवसर पर लालबाग शहीद पार्क सीतापुर में प्रादेशिक संस्कृत सम्मेलन आयोजित को शामिल किया गया है। माध्यमिक विद्यालयों के छात्र–छात्राओं की तरह संस्कृत विद्यालयों के मेधावी छात्र–छात्राओं को पुरूस्कृत किया जा रहा है। संस्कृत विद्यालयों के

प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये माननीय उप मुख्यमंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा जी ने कहा कि सरकार की नीति है सुरक्षा देना, स्वास्थ्य की चिंता करना, शिक्षा की व्यवस्था करना एवं सुशासन देना। इन सभी की बेहतर व्यवस्था के लिये पूर्ण प्रयास किये जा रहे हैं। मा0 उप मुख्यमंत्री जी ने शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश सरकार के द्वारा किये गये प्रयासों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नकलविहीन परीक्षा प्रणाली लागू की गयी है। संस्कृत विद्यालयों की स्थिति में सुधार हेतु निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संस्कृत विद्यालयों में व्यवसायिक पाठ्यक्रमों की शिक्षा प्रदान करने की व्यवस्था की जा रही है, जिसमें व्यावहारिक ज्योतिष, व्यावहारिक वास्तुशास्त्र, योग–दर्शन आदि का डिप्लोमा आधारित पाठ्यक्रम शामिल हैं। इसके अतिरिक्त पाठ्यक्रम में एन0 सी0 ई0 आर0 टी0 पाठ्यक्रम आधारित पुस्तकों आधुनिकता को अपनाये जाने से कोई एतराज नही है, लेकिन अपनी वास्तविकता एवं परम्पराओं को भूल जाना कष्टप्रद होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी महान परम्पराओं से शिक्षा ग्रहण करते हुये अपने सांस्कृतिक मूल्यों एवं धरोहरों को सदैव सुरक्षित रखना होगा। बुजुर्गों के सम्मान की शिक्षा भी मा0 उप मुख्यमंत्री जी ने दी। उन्होंने नैमिषारण्य क्षेत्र की महानता के विषय में भी बताया। मा0 उप मुख्यमंत्री जी ने कहा कि तदर्थ शिक्षकों की समस्याओं के निराकरण हेतु प्रयास किये जा रहे हैं। वित्त विहीन शिक्षकों की और अधिक उन्नति कैसे हो, इस दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। डिग्री कालेज के शिक्षकों को शोध कराये जाने का अवसर दिये जाने के साथ–साथ उनकी पदोन्नति हेतु भी मार्ग प्रशस्त किये गये हैं। सभी शिक्षण संस्थानों में रोजगारपरक शिक्षा की व्यवस्था की जा रही है। संस्कृत निदेशालय के निर्माण की कार्यवाही भी की जा रही है तथा बजट भी निर्गत किया जा चुका है। न

सम्पादकीय

गुलाम कश्मीर से अवैध कब्जा हटाए पाकिस्तान

–प्रमोद भार्गव–

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् (यूएनएससी) में कश्मीर का मुद्दा उठाने पर भारत ने पाकिस्तान को ललकारते हुए, उसे गुलाम कश्मीर से अपना अवैध कब्जा तत्काल हटा लेने की चेतावनी दी है।

न्यूयॉर्क में आयोजित बैठक में संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थाई मिशन में काउंसलर डॉ. काजल भट्ट ने कहा कि 'मैं भारत की स्थिति के बारे में स्पष्ट करना चाहूंगी कि संपूर्ण केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा थे, हैं और रहेंगे। इसमें वह क्षेत्र भी आते हैं, जो पाकिस्तान के अवैध कब्जे में हैं। अतएव हम पाकिस्तान को आवाहन करते हैं कि वह अपने अवैध कब्जे सभी भूखंडों से हटा ले, अन्यथा परिणाम भुगतने को तैयार रहे।' दरअसल इस मंच से पाकिस्तान के प्रतिनिधि मुनीर अकरम ने अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा पर खुली बहस के दौरान जम्मू–कश्मीर का मुद्दा उठाया था। इस मौके पर उठाए गए भ्रामक सवालों के जवाब में काजल भट्ट के राष्ट्र बोध ने अंगड़ाई ली और उन्होंने पाकिस्तान को जोरदार फटकार लगा दी। इसके बाद गुलाम कश्मीर का मुद्दा वैश्विक स्तर पर एक बार फिर से गरमा गया है। इसमें दो राय नहीं कि विभाजन की जिस अव्यावहारिक व अप्राकृतिक मांग के आगे नेहरू समेत हमारे तत्कालीन नेता जिस नतमस्तक होते चले गए, उससे न केवल जम्मू–कश्मीर, बल्कि पाक अधिकृत कश्मीर, भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश को भी विभाजन का दर्द झेलना पड़ा है। जबकि विभाजन के समय ही यह साफ लगने लगा था कि यह अखंड भारत की विरासत को खंडित करने की अंग्रेजी हुकूमत की कुटिल चाल है। बावजूद कांग्रेस नेता यह नहीं समझ पाए कि जो शेख अब्दुल्ला मुस्लिम कांफ्रेंस का गठन कर कश्मीर की सामंती सत्ता से मुठभेड़ कर रहा है, उसे शह मिलती रही तो वह भस्मासुर भी बन सकता है ? 1931–32 में शेख की मुलाकात नेहरू तथा खान अब्दुल गफ्फार खान से हुई। इन्हें सीमांत गांधी भी कहा जाता है।

इस गुफ्तगू से शेख को इतनी ताकत और दृष्टि मिली कि शेख ने स्वार्थपूर्ति के लिए 'मुस्लिम कांफ्रेंस' से मुस्लिम शब्द हटा दिया और 'नेशनल' जोड़ दिया। जिससे राष्ट्रीयता का भ्रम हो। इसी समय जिन्ना ने पृथकतावादी अभियान चला दिया। फिरंगी शासक तो चाहते भी यही थे कि भारत को आजादी धर्म के आधार पर बंटवारे की परिणति में हो। आमतौर से ऐसा माना जाता है कि कश्मीर समस्या 1947 के बाद पनपी व विकसित हुई। जबकि वास्तव में इसकी शुरुआत जम्मू–कश्मीर के महाराजा गुलाबसिंह के दरबार में 'आंग्रेज रेजिमेंट' की नियुक्ति के साथ ही हो गई थी। किंतु अंग्रेज नाकाम रहे। इसी समय दुर्भाग्य से कश्मीर के गिलगिट क्षेत्र के राजा रणवीर सिंह का देहांत हो गया। अंग्रेजों ने शोक में डूबे राज–परिवार की इस कमजोरी को एक अवसर माना और सक्रियता बढ़ा दी।

दरअसल अंग्रेजों ने 1885 में ही यह योजना बना ली थी कि किसी भी तरह जम्मू–कश्मीर के दुर्गम व सुरक्षित क्षेत्र गिलगिट व बाल्टिस्तान पर कब्जा करना है। जिससे अमेरिका की सैन्य गतिविधियों के लिए एक सुरक्षित स्थान मिल सके। अमेरिका इसे सोवियत संघ पर शिकंजा कसने की दृष्टि से उपयुक्त क्षेत्र मान रहा था। लिहाजा अंग्रेजों ने षडयंत्रपूर्वक इस क्षेत्र को 'गिलगिट एजेंसी' नाम देकर 1889 में अपने कब्जे में ले लिया। इसके अधीनता में आते ही सिंधू नदी के पूर्व और रावी नदी के पश्चिम तट तक समूचे पर्वतीय भू–भाग पर अंग्रेजों का नियंत्रण हो गया। इस समय गिलगिट में प्रतापसिंह, राजा रणवीर सिंह के उत्तराधिकारी के रूप में शासक थे। प्रतापसिंह अंग्रेजों की साजिश का शिकार हो गए। गुलाब सिंह की मृत्यु के बाद हरिसिंह जब राजा बने तो 1925 में उनकी आंखें खुलीं और गिलगिट की साजिश को समझा। तब हरिसिंह ने हिम्मत व सख्ती से काम लेते हुए अपनी सेना गिलगिट भेजकर अंग्रेजी सेना को गिलगिट छोड़ने को विवश कर दिया और यूनियन जैक उतारकर कश्मीरी झंडा किले पर फहरा दिया। यह अप्रत्याशित घटनाक्रम अंग्रेजों को एक शूल की तरह चुभता रहा।

1930 में जब स्वतंत्रता आंदोलन एक प्रखर राष्ट्रवाद के रूप में देशव्यापी हो गया तो इस राजनीतिक समस्या के हल के बहाने लंदन में गोलमेज सम्मेलन आहूत किया गया। भारतीय राजाओं के अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में हरिसिंह ने इसमें हिस्सा लिया। यहां हरिसिंह ने गिलगिट बाल्टिस्तान समेत, संपूर्ण जम्मू–कश्मीर को 'संघीय राज्य' बना देने की पुरजोर पैरवी की। किंतु यह मांग अंग्रेजों की मंशा के अनुकूल नहीं थी, इसलिए सिरे से खारिज कर दी। यहां अंग्रेजों ने गिलगिट क्षेत्र से हरिसिंह द्वारा अंग्रेज सेना की बेदखली की गई थी, उसके प्रतिकार स्वरूप साजिश तो रची ही, औपनिवेशिक कूटनीति व भारत को विभाजित करने की मंशा को फलीफूत देखने के नजरिए से शेख अब्दुल्ला को महत्व देकर उसे कश्मीरी शासक के विरुद्ध उकसाना शुरू कर दिया। नतीजतन शेख ने अलगाववादी संगठन 'मुस्लिम कांफ्रेंस' की नींव डाल दी। इसी दौरान शेख की मुलाकात नेहरू से हुई, जो मित्रता में बदल गई। 1932 से ही शेख ने कश्मीर पर नाजायज कब्जे के लिए जंग छेड़ दी।

इसके बाद से लेकर 1947 तक के कालखंड में 1942 की अगस्त क्रांति और दूसरे विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद जब फिरंगी हुकूमत के खिलाफ जबरदस्त असंतोष और सशस्त्र संघर्ष की घटनाएं आम हो गईं तो अंग्रेजों ने अनुभव किया कि अब भारत पर नियंत्रण संभव नहीं है। तब उन्होंने भारतीय रियासतों के विलीनीकरण के लिए धार्मिक व क्षेत्रीय उपराष्ट्रीयताओं को भी उकसाना शुरू कर दिया। फलतः शेख समेत अनेक हिंदू व मुस्लिम नरेशों में एक नए स्वतंत्र देश पर राज करने की मनोकामना अंगड़ाई लेने लगी। जबकि रियासतों का विलय भारतीय राष्ट्र को अखंड भारत का रूप देकर एक सशक्त व एकीकृत संविधान द्वारा संचालित राजनीतिक ईकाई का निर्माण करना था। इसी समय शेख ने स्वतंत्र कश्मीर का सुल्तान बनने का सपना देखना शुरू कर दिया। मुस्लिम लीग तो जिन्ना के नेतृत्व में पहले से ही मुसलमानों के लिए पृथक मुस्लिम देश बनाने की मांग कर रही थी। 24 मार्च 1947 को वायसराय के रूप में माउंटबेटन ने भारत के प्रशासनिक दायित्व अपने हाथ में ले लिए। माउंटबेटन ने अलग–अलग गोपनीय मुलाकातें लीगी व कांग्रेसी नेताओं से करके भारत विभाजन का संकल्प गांधी के विरोध के बावजूद ले लिया। अंततोगत्वा 4 जुलाई 1947 को ब्रिटेन की संसद के दोनों सदनों में 'भारतीय स्वतंत्रता विधेयक–1947' पेश कर दिया, जो मत–विभाजन से पारित हो गया। 18 जुलाई 1947 को ब्रितानी हुकूमत ने अनुमोदन भी कर दिया। इसी विधेयक के तहत भारत को धर्म के आधार पर दो स्वतंत्र औपनिवेशिक राज्यों में बांट दिया गया।

जम्मू–कश्मीर रियासत का विलय नेहरू के हाथ में होने के कारण असमंजस में रहा। डोगरा राजा हरिसिंह जहां कश्मीर की स्वतंत्र राज्य की परिकल्पना कर रहे थे, वहीं उनके प्रधानमंत्री रामचंद्र काक पाकिस्तान के साथ विलय पर विचार कर रहे थे, क्योंकि उनकी पत्नी यूरोपियन थीं, इसलिए उनकी आंखें मुंद गईं थीं। इसी अनिश्चितता के दौर में 22 अक्टूबर 1947 को शेख की शह पर पाक फौज जीपों व ट्रकों पर सवार होकर कश्मीर में चढ़ी चली आई। इस संकट से मुक्ति के लिए हरिसिंह विवश हुए और उन्होंने 26 अक्टूबर 1947 को विलय–पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए।

परिणामस्वरूप युद्धविराम तो हो गया, लेकिन कश्मीर की शासन व्यवस्था को लेकर नेहरू, हरिसिंह और शेख के बीच 'दिल्ली समझौता' हुआ। इस समझौते के आधार पर ही नेहरू ने शेख के सुपुर्द जम्मू–कश्मीर की कमान सौंप दी। इसके बाद कश्मीर को विशेष दर्जा देने के लिए 370 का अनुच्छेद पटेल और अंबेडकर के विरोध के बावजूद जोड़ दिए गए, जो अलगाव की दरार मोटी करते चले गए। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति और राष्ट्रबोध के चलते यह अनुच्छेद–370 खत्म कर दिया गया है, लेकिन अभी गुलाम कश्मीर से पाकिस्तान का अवैध कब्जा हटाया जाना शेष है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाली 5 इकाइयों में से एक उत्तरप्रदेश के विधानसभा चुनाव,2022 अगले 100दिनों में संभावित है।

पंकज कुमार श्रीवास्तव,
स्नातक(पत्रकारिता),स्नातकोत्तर(प्रबंधन),
1.सेवानिवृत्त प्रबंधक,
झा.रा.ग्रामीण बैंक,
डाल्टनगंज(झारखंड)
2.पूर्व अतिथि संकाय(ग्रामीण बैंकिंग),
जेवियर समाज सेवा संस्थान,रांची
8092882344/8873813976

विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाली 5 इकाइयों में से एक उत्तरप्रदेश के विधानसभा चुनाव,2022 अगले 100दिनों में संभावित है। दुनिया की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी–भारतीय जनता पार्टी–के लिए सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा हिन्दू–मुसलमान, कब्रगाह–श्मसान,जिन्ना–तालिबान है।ऐसे में,मुल्क में साम्प्रदायिकता की चुनौती को गंभीरता से देखने–सुनने, जानने–समझने की जरूरत है......

साम्प्रदायिकताःएक चुनौतीः कुछ आयाम

हिन्दू पूरबकी तरफ मुँह कर पूजा करते हैं तो मुसलमान पश्चिमकी तरफ मुँह कर नमाज अदा करते हैं।कुछ हिन्दु साकार ब्रह्मकी पूजा करते हैं तो मुसलमानोंको बुतपरस्ती गवारा नहीं।(वह तो मोहम्मद पैगम्बर साहबका रेखाचित्र बनाये जाने पर भी भड़क जाते हैं)हिन्दुओंके लिए गाय माता है और गो हत्या उन्हें उद्वेलित करती है,तो मुसलमान गोवध पर पाबंदी स्वीकार नहीं कर पाते।हिन्दू कालीपूजासे लेकर शिव अराधना तक के लिए मदिरा चढ़ाते हैं तो मुसलमान शराबको सार्वजनिक तौर पर छूते भी नहीं। कुछ हिन्दु सुअरकी माँस खा लेते हैं तो मुसलमानोंके लिए सुअर गाली सदृश है।इतिहासके इस दौर तक आते–आते हिन्दु एक पत्नीवादी हो गए थे तो मुसलमानोंमें बहु पत्नीवाद बदस्तूर जारी थी।हिन्दुओंके लिए विवाह जन्म और मृत्युकी तरह एक संस्कार है और यह एक जन्म ही नहीं सात जन्म का रिश्ता है तो मुसलमानोंमें तलाककी घटना एक आम बात है। दुनियाके मुसलमानोंके लिए सिर्फ एक पैगम्बर है, जिसकी वो इबादत करते हैं तो हिन्दुओंके छतीस हजार देवी–देताओंके अतिरिक्त तुलसी,पीपल,बरगदसे लेकर सागर और कैलाश पर्वत तक पूजनीय एवं बंदनीय है।जीवनशैलीके दृष्टिकोणसे मुस्लिम परिवारोंमें बकरी,बतखसे लेकर मुर्गी तक पालनेकी परम्परा रही है और इन पाले गए पशु–पक्षियोंको भी अपना आहार बनानेसे वह परहेज नहीं करते जबकि कई माँसाहारी हिन्दु परिवारोंके रसोईमें मुर्गी अंडा सख्त वर्जित है और पालतू जीवको खानेसे वह परहेज करते हैं हिन्दुओंके पूजाके अवसर पर कुआरी कन्याओंको भोजन करवाया जाता है,आराध्य देवियोंमें माँ काली,दुर्गा,सीता, राधा की पूजा तो आम बात है।लेकिन मुसलमानोंमें नारीकी स्थिति दोयम दर्जे की ही है,उन्हें घरकी चहारदिवारियों में या तो कैद रखा जाता है या फिर बाहर निकली भी तो बुर्के में।

ब्रिटिश हुकूमतको अपना वजूद बनाए रखनेके लिए आवश्यक दिखा था कि इन विभाजन रेखाओंको यथासंभव उभारा जाय और इन विभाजन रेखाओंको उभारने वाले पात्रकी हर महत्वाकांक्षाको हवा दी जाय।ब्रिटिश हुकूमतकी इस चालका मोहरा बने–मरहूम मो0 अली जिन्ना।जिन्नाने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरूआत एक राष्ट्रवादी नेताके रूपमें की थी।एक राष्ट्रवादी की तरह उन्होंने लोकमान्य बालगंगाधर तिलक पर राजद्रोह का केस चलने पर अदालत में उनकी वकालत की थी।अपनी जीवनशैली में वे पारम्परिक मुसलमान थे भी नहीं। उन्होंने एक विधर्मी–अपने एक पारसी मित्र की बेटी–रतन बाई–से निकाह किया था।वह नमाज भी अदा नहीं करते थे,कुरआन की आयतें उन्हें याद भी नहीं थी।वह सुअरका माँस खाते थे,वह बेहतरीन अंग्रेजी शराबके शौकीन थे,उनके अंतरंग मित्रोंमें कोई मुसलमान नहीं था,अपने दिल्ली प्रवासके दौरान वह गैर–मुस्लिम मित्रों के यहाँ ही ठहरते थे।उन्हें ऊर्दू आती भी नहीं थी–भारत–पाक विभाजन के बाद कायद–ए–आजमके रूपमें राष्ट्र के नाम अपना पहला संदेश भी उन्होंने अंग्रेजीमें दिया था जिसका ऊर्दू अनुवाद बाद में प्रसारित किया गया।जिन्ना पाकिस्तानके कायद–ए–आजम के रूप में प्रतिष्ठापित जरूर हुए लेकिन एक अलग राष्ट्र–पाकिस्तान का मूल प्रस्ताव उनका था भी नहीं, पाकिस्तानके रूपमें मुसलमानोंके लिए एक अलग राष्ट्र का प्रस्ताव इर्ग्लैंडके कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के छात्र रहमत अलीने जब उनके सामने पहली बार लंदन के एक होटलमें रखा था तो जिन्ना ने उसे सिरे से खारिज कर दिया था।

लेकिन,जिन्नाकी त्रासदी यह थी कि इस मुल्कके आम– आवामके दिलो–दिमाग पर महात्मा गांधीका व्यक्तित्व छाया हुआ था और इस बातका उनको पूरा इलहाम था कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सत्ता की बागडोर उसे ही मिलेगी,जिसे महात्मा गांधीका आशीर्वाद प्राप्त होगा।वह महात्मा गांधीके आभा मंडलसे दूर रहना चाहते थे।चर्चिल की तरह अपनी एरिस्टोक्रेट जीवन शैलीके कारण जिन्ना को भी यह 'अधनंगा फकीर'धूर्त दिखता था।गांधी उन्हें कायद–ए–आजम कहते थे।लेकिन जैसे–जैसे स्वतंत्रता प्राप्ति एक अवश्यंभावी सच्चाई दिखने लगी–जिन्नामें सत्ता सुखके सपने जोर मारने लगे और जिन्नाकी यह सत्ता लिप्सा ही थी जिसने भारतीय मुसलमानोंके लिए एक अलग राष्ट्र–पाकिस्तान–की माँगके लिए जिन्नाको अभिप्रेरित किया और एकबार जब जिन्नाने दिवास्वप्न सरीखे पाकिस्तान की माँग उठायी तो इस सपनेको हकीकतमें बदलनेके लिए जी–जानसे जुट गए।

जिन्नाकी सत्ता लिप्साके कारण ब्रिटिश उपनिवेशवाद की समाप्ति के समय व्यापक हिन्दु–मुस्लिम दंगे हुए,लाखों मुसलमान हिन्दुस्तान छोड़कर पाकिस्तान जा बसे, लाखों हिन्दु और सिक्ख पाकिस्तानसे हिन्दुस्तान आ गए।लेकिन,आज स्वतंत्रता प्राप्तिके 74वर्ष बाद और 6 दिसम्बर, 1992 की अप्रिय घटना के बावजूद,जिसमें रामजन्म भूमि विवादके लिए बाबरी मस्जिद ढाही गई, इस मुल्क में साम्प्रदायिक सौहार्द्र बना हुआ है।

जहाँ तक सिक्ख धर्मकी बात है तो तथाकथित सिक्ख धर्म के प्रवर्तक गुरूनानकको कभी एहसास ही नहीं रहा होगा कि वह किसी नए धर्म के प्रवर्तक हैं।वह तो उस जमानेमें हिन्दू धर्म में आ गए पाखण्डके विरूद्ध एक मुकम्मल आवाज थे।सिक्ख धर्मके गुरूतेग बहादूर और गुरू गोबिन्द सिंह हिन्दू धर्म के प्रतिनिधिके तौर पर ही औरंगजेब के शासनकी क्रूरतासे लोहा लेते रहे। यह परम्परा सन् 1947तक बदस्तूर जारी रही।हिन्दू– मुस्लिम साम्प्रदायिक उन्माद के सबसे बीभत्स दौर–1947में भारत विभाजनके समय दंगोंके दौरान सिक्खों ने हिन्दूओंके साथ ही मुस्लिम आक्रामकता झेली।भारत पाकिस्तान विभाजनके दौरान जितने गैर–मुस्लिमोंने पश्चिमी पाकिस्तानसे भारतका रूख किया,उसमें एक बड़ी आबादी सिक्खों की भी थी।पंजाब–हरियाणाके गाँवोंमें एक लम्बी परंपरा रही है कि हिन्दू परिवारमें अगर चार बेटे हों तो एक बेटा,यथासम्भव सबसे बड़ा बेटा–सिक्ख होगा।

हिन्दू समाजमें आ रहे पाखण्डके विरूद्ध एक मुकम्मल आवाज आर्य समाजके संस्थापक दयानंद सरस्वती भी थे और जो लोग हिन्दू और सिक्ख धर्मको अलग– अलग करके देखते हों,उन्हें याद रखना होगा कि शहीद–ए–आज़म भगत सिंह एक हिन्दू,एक सिक्ख ही नहीं,एक आर्यसमाजी परिवार से ताल्लुक रखते थे।वह आर्यसमाजी थे या सिक्ख थे और हिन्दू नहीं थे,यह बात उस समय तो क्या आज भी कोई स्वीकार नहीं कर पाएगा।

ब्रिटिश शासकोंकी'बांटो और राज करो'की नीति भारतीय हुक्मरानों को भी रास आयी थी।भारतीय लोकतंत्रमें भी'चेक और बैलेंसका खेल खूब खेला गया और इसी खेलका हिस्सा था पंजाबमें ज्ञानी जैल सिंह बनाम् दरबारा सिंह,या फिर दरबारा सिंह बनाम् संत जरनैल सिंह भिंडरवाला का खेल।इस खेलमें अन्तर्राष्ट्रीय षडयंत्रने भी अपनी भूमिका निभाई। आपरेशन'ब्लू स्टार'के विरूद्ध खुशवंत सिंह और डा0 महीप सिंह जैसे विद्वानों ने अपने–अपने पद्म पुरस्कार वापस कर दिए थे।खुफिया एजेंसी ने भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गाँधीको आगाह किया था कि सिक्ख बॉडीगार्डोंसे उन्हें खतरा हो सकता है,लेकिन सिक्ख होने के कारण किसीको बॉडीगार्ड की जिम्मेवारीसे हटाना इन्दिराजी ने स्वीकार नहीं किया था।बेअंत सिंह और सतवंत सिंह जैसे बॉडीगार्डोंकी गोलीकी शिकार इन्दिराजी खुद हुई थीं और इन्दिराजीकी हत्याके बाद हिन्दूओं और सिक्खों में एक–दूसरेको शक की निगाह से देखनेकी प्रवृति बढी थी,पूरे भारतमें सिक्खविरोधी दंगे हुए थे,लेकिन आज कोई छतीस वर्ष बाद हिन्दू–सिक्ख साम्प्रदायिकता विलोपित हो चुकी है।

ब्रिटिश व्यवसायियोंने भारतमें अपने कदम मुगल सम्राट जहाँगीरके कार्यकालमें ही रख दिए थे और भारतीय उप महाद्वीप में ईसाईयतका प्रवेश उसी दौरमें हो गया था।आज भारत में ईसाइयों की संख्या 2. 80करोड़ अर्थात् 2.03ः है। ईसाईयतने अपने पैर पसारनेमें कोई जल्दबाजी नहीं दिखाई और एक गम्भीर धैर्यका परिचय दिया।बहुत ही वैज्ञानिक तरीकेसे वह पहले उन इलाकों की शिनाख्त करते हैं,जहाँ उन्हें काम करना होता है।वह सबसे पहले शिक्षा और स्वास्थ्यके क्षेत्रमें अपनी पहल करते हैं।छोटा ही सही,एक स्कूल खोलते हैं,उस गाँव–क्षेत्र में साक्षरता दर के सुधार के गम्भीर प्रयास करते हैं,स्वास्थ्यके प्रति जागरूकता लाते हैं, बच्चों को स्कूलों में ईसाईयत के प्रभाव में लाते हैं और फिर एक उपकृत व्यक्ति,परिवार या समाज ईसाईयत स्वीकार करने को अभिप्रेरित हो जाता है।शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के साथ–साथ अविकसित क्षेत्रों के लोगोंके जीवन–स्तरमें गुणात्मक परिवर्तनके लिए मिशनरी संस्थाएँ गम्भीर प्रयास करती हैं।ईसाईयत फैलानेके लिए आक्रामकता, हिंसा,जोर–जबरदस्तीका सहारा ईसाई मिशनरी संस्थाएँ नहीं लेतीं या फिर उनके खिलाफ आक्रामकता दिखाए जाने पर भी प्रति–आक्रामकताका परिचय नहीं देतीं।

कहनेका अभिप्राय यह कि संकीर्ण मानसिकता ने समय– समय पर इस मुल्कमें हिन्दू बनाम मुसलमान,हिन्दू बनाम सिक्ख, हिन्दू बनाम ईसाई की संकीर्णता उभारनेकी हरचंद कोशिश अवश्य की है,लेकिन यहाँ कोई अयातुल्ला खुमैनी या कोई ओसामा बिन लादेन अपनी फिरकापरस्त मनसूबों में कभी कामयाब नहीं हो पाया। यही नहीं तथ्य यह भी है कि इस माटी की मौलिकता ने इस्लाम को भी प्रभावित किया।इस्लाम में जातिप्रथा की कोई सम्भावना कहीं से नहीं है,लेकिन भारतीय मुसलमानों में जातिप्रथा मुकम्मल मौजूद है।मुस्लिम साम्प्रदायिकता की वजहके कारण ही मुस्लिमों के बीच अशिक्षा अभी भी मौजूद है।वह विज्ञानके चमत्कारों के प्रति अस्वीकार्यता प्रदर्शित करने से बाज नहीं आते।पर्दा प्रथासे लेकर परिवार नियोजन तक अनेक बिन्दु ऐसे हैं,जहाँ भारतीय मुसलमानोंने अप्रगतिशील रवैया अपनाया है।

लेकिन,दशकों ही नहीं,सदियों तक साथ–साथ जीने–मरने के कारण भारतीय हिन्दू और मुसलमानों ने एक–दूसरेके प्रति पर्याप्त सहिष्णुता और सह–अस्तित्व दिखाया है।अजमेर शरीफसे लेकर शेख सलीम चिश्ती की दरगाह तक हिन्दूओंने मत्था टेका है और हिन्दुओं ने ऐसा कोई वैवाहिक आयोजन नहीं किया जिसमें सुहागकी प्रतीक चूड़ियाँ मुस्लिम चूड़ीहारोंसे न खरीदी गई हों।इस माटी की सर्व–धर्म–समभावकी इस खूबीको ही महात्मा गाँधीने अपने भजनमें स्वर दिया था– 'ईश्वर अल्लाह तेरो नाम,सबको सन्मति दे भगवान।

आन्दोलन जीवियो से ना ले पंगे फिसल गये तो हर हर गंगे

–विनोद तकिया वाला–
(खबरी लाल)

भारततीय राजनीति की फिजा में आज की सर्द सुबह मे कुछ गरमाहट की आहट लिये दबे पाँव सेआप के द्वार पर दस्तक दे गई कि पाँच राज्यो उत्तर प्रदेश ,उत्तराखण्ड ' पंजाब 'गोबा व मणिपुर में होने वाले विधानसभा के चुनाव का विगुल बज गया है ! हालाकि हवाई चप्पल वालो को हवाई यात्रा का करने का दिवा स्वपन्न दिखाने वाले साहब स्वयं सड़क पर सेना के भारी भरकम्प विमान उत्तर कर अपने अंध भक्तो को चर्चा करने का स्वर्णिम अवसर दे दिया है, लेकिन विपक्षी कहा पीछे रहने वाले थें अगले दिन उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने अपने लॉव लस्कार के साथ अपनी शक्ति प्रदर्शन करे पहुंचे गये थे।तभी अगली अगले दिन अचानक सुबह–सुबह प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन में तीनों कृषि कानून वापस लेना की घोषणा कर दी। अपने सम्बोधन मे प्रधान मंत्री किसान के समक्ष अपनी वाक पटुता की शैली कार्यो की चर्चा करते हुए संसद के अगले सत्र में नये तीन कृषि कानून को वापस करने के लिए संसदीय प्रक्रिया शुरू करेगी। प्रधान मंत्री के इस घोषणा के बाद पक्ष विपक्ष में ब्यान बाजी शरू हो गई। सत्ता पक्ष के नेताओ ने प्रधान मंत्री तारिफ में पुल बाँधते हुए किसान प्रेम की कशिदे पढ जाने लगे,वही विपक्ष के नेताओ ने मोदी सरकार की पराजय व अन्नदाताओं की विजय बताया है। अगर इस कृषि कानून की वापसी पर सरसरी तौर पर नजर डाली जाय तो कई बातें समाने आ रही है।

किसान आन्दोलन पर पैनी नजर रहने वाले का मानना है कि कृषि कानून केन्द्र सरकार ने वापस नहीं लिया है ' बल्कि किसानों ने वापस लेने को मजबूर कर दिया है। स्वतंत्र भारत के राजनीति की इतिहास में सबसे शानदार, संगठित और अहिंसक केंद्र सरकार के खिलाफ इस लम्बी लड़ाई में किसानों को जीत मिली है।अगर आप के ईरादे नेक व सहीं हों तो जीत आखिरकार आपकी ही होगी।सत्य परेशान हो सकता है लेकिन पराजित नहीं। इस कृषि आन्दोलन के दौरान किसानों पर देशद्रोही, आढ़तिये, मुट्ठीभर और खालिस्तानी ' आतंकी जैसे तरह–तरह के विशेषणों से नवाजे गये लेकिन आज अचानक मोदीजी को किसानों पर इतना मेहरबान क्यों? इसका उत्तर एक राज्य के महामहिम संवैधानिक पद कई महीनों से देते आये हैं।वे कह रहे हैं कि ग्राउंड रिपोर्ट्स बता रही है किसानों के विरोध की वजह से यह सरकार सिर्फ यूपी का चुनाव ही नहीं हारेगी बल्कि 2024 में सत्ता से पूरी तरह बेदखल हो जाएगी। कृषि कानूनों को लेकर सरकार का रवैया हठ्ठी बच्चे से ज्यादा अड़ियल और तानाशाही भरा रहा था। राज्यसभा तक में इसे नियमों को ताक पर रखकर पास करवाया गया था। किसानों को अपनी गाड़ी से कुचल देने वाले के पिता आज भी मोदी सरकार में मंत्री है। इसलिए प्रधानमंत्री चाहकर किसानों के बीच यह संदेश नहीं भेज सकते कि यह फैसला उन्होंने किसानों से हमदर्दी के आधार पर लिया है। दुसरी बात इस आन्दोलन में 700 किसानों की मौत और आम नागरिकों को हुई बेशुमार परेशानी के बाद कानून वापसी के फैसले को केद्र सरकार के मास्टर स्ट्रोक भाजपा के नेता किस तरह बताएगी मेरी समझ नही आ रही है। कॉरपोरेट गोदी मीडिया यह तोहफा कैसे साबित करेगा यह बड़ा सवाल है। केन्द्र सरकार और गोदी मीडिया ' व व्हाटस एप युर्निवसिटी के लिए चुनौतियां बड़ी हैं। तीनो कृषि कानून के नाम पर पूरे वर्ष देश में जो कुछ चला है, वह केंद्र सरकार को निरंकुश, अहंकारी और गैर–जिम्मेदार साबित करता है। पहला सवाल यह है कि देश के अन्न दाताओ यानी किसानों की जिंदगी और मौत से जुड़ा फैसला उनसे विना सलाह मशुहरा बिना क्यों किया गया? इतना क्या जल्दी थी संसद मे चर्चा किये बिना ही आनन फानन मेंविल पास करवा लिया जाता है।

अगर फैसला देशहित में इतना ही जरूरी था तो फिर इसे चोरी –चुपके से वापस क्यों लिया जा रहा है? यह सारे ज्वलंत प्रशन सरकार पीछा नहीं छोड़ेंगे। जो कल तक तीनो कृषि कानून देशहित था ' वही कानून आज चुनावी फायदे के लिए वापस लेना मौकापरस्ती ' सरकार को गैर–जिम्मेदार या मौका–परस्त दोनों में कोई एक विशेषण अपने लिए चुनना पड़ेगा। इसके अलावे कोई और रास्ता नहीं है।

इस पूरे प्रकरण का पटाक्षेप सबसे बड़ा धक्का प्रधानमंत्री मोदी की उस छवि को लगा है, जिसमें उन्हें कठोर और निर्णायक फैसले लेने वाले नेता के तौर पर चित्रित किया जाता है। अन्धो भक्तो का वह चेहता मोदी है तो मुमकिन है। तीनो नये कृषि कानूनों की वापसी के बाद अब शायद विधान सभा में खास कर गाँवों में बीजेपी कार्यकर्ता घुस पाएंगे। लेकिन किसानों व उनके परिवार के जख्म हरे हैं, इसलिए एक सीमा से ज्यादा भरपाई नहीं हो पाएगा। कानून वापसी का इस्तेमाल विपक्ष के नेता यह संदेश देने में करेगा कि भाजपा को पता है कि वो चुनाव हार रही है।

आगामी लोक सभा 2024 के दिल्ली का सफर अभी दूर है।

किसानो आन्दोलन से जुड़े हुए नेताओ व समर्थक का कहना है कि हमारा आन्दोलन समाप्त नही हुए है – हमारे लिए संसद व संसदीय व्यवस्था मे पूर्ण विश्वास है। जिस तरह सरकार के द्वारा संसद से पारित कर किसान विरोधी तीनो नये कानून लाये गये थे , उसी संसद व संसदीय प्रक्रिया के कानून वापस लिये जाये तथा एम एस पी पर कानून बनाया जाय। इसके लिए एक स्वतंत्र समिति बनाया जाय, जिसमे सरकार के प्रतिनिधि व किसान संगठनों के प्रतिनिधि आपस चर्चा कर किसानो के हित फैसला ले। हमारा आन्दोलन तभी समाप्त होगा .।यह किसान व आम भारतीय नागरिको की जीत है।

अभी शंका व संसय की घुन्ध ली तस्वीर स्पष्ट होने कुछ वक्त लगेगा। आप को याद होगा लोक तंत्र पवित्र मन्दिर में देश के प्रधान सेवक जी ने अपने शब्द कोष मे से नये शब्द का आविष्कार कर ते हुए आन्दोलन जीवी कहा था जिस पर सता पक्ष ने करतल ध्वनि से मेज थप थाप से स्वागत किया था आज वही आन्दोलन जीवियो के आन्दोलन के आगे के घुटने टेकते हुए तीनो कृषि कानून की वापसी करने को मजुबर हो गई। आन्दोलन जीवयो से ना ले पंगे ' फिसल गये तो हर – हर गंगे।फिलहाल मै आपसे यह कहते हुए विदा लेते है कि – ना ही काहूँ से दोस्ती ' ना ही काहूँ से बैर। खबरी लाल तो माँगे ' सबकी खैर म फिर आपसे मिलेगे तीरक्षी नजर से तीखी खबर के संग।

बच्चों से जुड़े मुद्दों का हो समाधान

अंतरराष्ट्रीय बाल दिवस (20 नवम्बर) पर विशेष

–योगेश कुमार गोयल–

बाल दिवस केवल भारत में ही नहीं बल्कि विश्व के अधिकांश देशों में मनाया जाता है।

भारत में बाल दिवस प्रतिवर्ष 14 नवम्बर को मनाया जाता है लेकिन बच्चों के प्रति जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह दिवस 20 नवम्बर को मनाया जाता है। यह दिवस हमें बच्चों के अधिकारों की वकालत करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है। वैश्विक स्तर पर इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दुनियाभर में बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार करना, उनकी समस्याओं को हल करना, उनके कल्याण के लिए काम करना तथा अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देना है। बाल दिवस दुनियाभर में 191 देशों में मनाया जाता है। अनेक देशों में इसे मनाने की तारीखें अलग–अलग हैं। जनवरी माह से लेकर दिसम्बर तक हर माह किसी न किसी देश में बाल दिवस का आयोजन होता है। वैसे तो बाल दिवस मनाए जाने की शुरुआत वर्ष 1925 से ही हो गई थी लेकिन वैश्विक रूप में देखें तो इसे दुनियाभर में मान्यता मिली 1953 में।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा 20 नवम्बर 1954 को 'अंतरराष्ट्रीय बाल दिवस' मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसका उद्देश्य यही था कि इस विशेष दिन के माध्यम से अलग–अलग देशों के बच्चे एक–दूसरे के साथ जुड़ सकें, जिससे उनके बीच आपसी समझ तथा एकता की भावना मजबूत हो सके। सर्वप्रथम बाल दिवस जेनेवा के इंटरनेशनल यूनियन फॉर चाइल्ड वेलफेयर के सहयोग से विश्वभर में अक्तूबर 1953 में मनाया गया था। विश्वभर में बाल दिवस मनाए जाने का विचार वी के कृष्ण मेनन का था, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1954 में अपनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्वभर के तमाम देशों से अपील की गई थी कि वे अपनी परम्पराओं, संस्कृति तथा धर्म के अनुसार अपने लिए कोई एक ऐसा दिन सुनिश्चित करें, जो सिर्फ बच्चों को ही समर्पित हो।

दुनियाभर में बाल दिवस के माध्यम से लोगों को बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, बाल मजदूरी इत्यादि बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है। माना जाता है कि सबसे पहले बाल दिवस तुर्की में मनाया गया था। आइए देखते हैं कि दुनियाभर में किन देशों द्वारा कब बाल दिवस मनाया जाता है। जनवरी के पहले शुक्रवार को बहामास में, 11 जनवरी को ट्यूनिशिया, जनवरी के दूसरे शनिवार को थाईलैंड, फरवरी के दूसरे रविवार कुक द्वीप समूह, नाउरू, निउए, टोकेलौ तथा केमन द्वीप समूह में, 13 फरवरी को म्यांमार, मार्च के पहले रविवार को न्यूजीलैंड, 17 मार्च को बांग्लादेश, 4 अप्रैल को चीनी ताइपे, हांगकांग, 5 अप्रैल को फिलीस्तीन, 12 अप्रैल को बोलिविया तथा हैती, 23 अप्रैल को तुर्की, 30 अप्रैल को मेक्सिको, 5 मई को दक्षिण कोरिया तथा जापान, मई के दूसरे रविवार को स्पेन तथा यूके, 10 मई को मालदीव, 17 मई को नार्वे, 27 मई को नाईजीरिया, मई के आखरी रविवार को हंगरी, 1 जून को चीन सहित कई देशों में बाल संरक्षण दिवस के रूप में मनाया जाता है। 1 जुलाई को पाकिस्तान, जुलाई के तीसरे रविवार को क्यूबा, पनामा, वेनेजुएला, 23 जुलाई को इंडोनेशिया, अगस्त के पहले रविवार को उरुग्वे, 16 अगस्त को पैराग्वे, अगस्त के तीसरा रविवार को अर्जेन्टीना तथा पेरू, 9 सितम्बर कोस्टा रीका, 10 सितम्बर को हौण्डुरस, 14 सितम्बर को नेपाल, 20 सितम्बर को आस्ट्रिया तथा जर्मनी, 25 सितम्बर को नीदरलैंड, 1 अक्तूबर को अल साल्वाडोर, ग्वाटेमाला तथा श्रीलंका, अक्तूबर के पहले बुधवार को चिली, अक्तूबर के पहले शुक्रवार को सिंगापुर, 8 अक्तूबर को ईरान, 12 अक्तूबर को ब्राजील, अक्तूबर के चौथे शनिवार को मलेशिया, अक्तूबर के चौथा रविवार को आस्ट्रेलिया, नवम्बर के पहले शनिवार को दक्षिण अफ्रीका, 20 नवम्बर को अजरबैजान, कनाडा, साइप्रस, मिस्र, इथियोपिया, फिनलैंड, फ्रांस, यूनान, आयरलैंड, इजराइल, केन्या, मैसिडोनिया, नीदरलैंड, फिलीपींस, सर्बिया, स्लोवेनिया, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, त्रिनिदाद व टोबेगो, 5 दिसम्बर को सूरीनाम, 23 दिसम्बर को सूडान तथा 25 दिसम्बर कांगो गणराज्य, कैमरून तथा भूमध्यरेखीय गिनी में बाल दिवस का आयोजन किया जाता है।

अपनी–अपनी सहूलियत के आधार पर विभिन्न देशों द्वारा अलग–अलग तारीखों पर बाल दिवस मनाया जाता है लेकिन हर जगह बाल दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि इसके जरिये लोगों को बच्चों के अधिकारों तथा सुरक्षा के लिए जागरूक किया जा सके और बच्चों से जुड़े मुद्दों का समाधान किया जा सके।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

हेलमेट मैन राघवेंद्र कुमार भारत की सड़कों पर बना रहे हैं हेलमेट बैंक

अवध की आवाज ब्यूरो

नोएडा। हेलमेट नहीं लगाने वालों को हेलमेट बैंक का पता बताएं। हेलमेट मैन राघवेंद्र कुमार भारत की सड़कों पर हेलमेट बैंक बना रहे हैं। लोगों को सड़क दुर्घटना से बचाने के लिए लोगों में हेलमेट लगाने की संख्या बढ़े और सड़क पर डुप्लीकेट हेलमेट की जगह लोग सही हेलमेट का इस्तेमाल कर सकें।

पहला हेलमेट बैंक की शुरुआत ग्रेटर नोएडा शहर के बीचो बीच परी चौक पर शुरुआत कर रहे हैं। यह शहर उत्तर प्रदेश के गौतम बुध नगर जिला से आता है जो दिल्ली से काफी सटा हुआ है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से 200 स्क्वायर फीट की जगह की मांग रखी है। जगह पूरी होते ही अगले 1 महीने के अंदर हेलमेट बैंक बनकर तैयार हो जाएगा। जिले का कोई भी व्यक्ति 7 दिनों के लिए निशुल्क ब्रांड हेलमेट BSI स्टैंडर्ड्स का लाभ ले सकता है। हेलमेट बैंक सुबह 6:00 बजे से लेकर रात को 8:00 बजे तक खुला रहेगा साल के 365 दिन। हेलमेट लेने के लिए कुछ आवश्यक डाक्यूमेंट्स की भी जरूरत पड़ेगी जिसमें हेलमेट लेने वाले का आधार कार्ड और दोपहिया वाहन गाड़ी नंबर का होना जरूरी है। हेलमेट बैंक से सिर्फ 7 दिन के लिए हेलमेट मिलेगा। उसके बाद जरूरत पड़ने पर दोबारा भी हेलमेट ले सकता है।

अगर कोई हेलमेट वापस नहीं करता है तो उसे रु10 प्रतिदिन के हिसाब से जुर्माना भी देना पड़ सकता है। अगर कोई सदा के लिए हेलमेट रख लिया तो उसे दो हजार रुपए का फाइन भी भरना पड़ेगा। हेलमेट बैंक से हेलमेट लेने वाले को जागरूकता के साथ यातायात नियमों की जानकारियां भी दी जाएगी। इस हेलमेट बैंक में 4 साल उम्र के बच्चों के लिए भी हेलमेट उपलब्ध होगा। हेलमेट मैन का प्रयास भारत में अधिक से अधिक लोगों को सड़क दुर्घटना से बचा कर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता वॉलिंटियर्स की फौज खड़ा करना चाहते हैं। आज भारत में दुर्घटना से घायल लाखों लोगों को मदद का इंतजार है मगर उन्हें मदद नहीं मिल पा रही है। पिछले 7 सालों में अकेला हेलमेट मैन सैकड़ों लोगों की जान बचाकर मदद कर चुके हैं और भविष्य में परिस्थितियों को बदलने की लड़ाई लड़ रहे हैं। यातायात नियम तोड़ने वाले को देख कर लोग अनदेखा ना करें बल्कि उससे नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करें। हेलमेट मैंन ने कहा मुझे प्रतिदिन भारत के कोने कोने से सड़क दुर्घटना में घायल परिवार वालों की तरफ से आर्थिक मदद के लिए फोन आते रहते हैं। जो अपनों को बचाने के लिए हॉस्पिटल का बिल चुकाने के लिए हमेशा अनजान लोगों से मदद की उम्मीद रखते हैं। और इनमें से अधिकतर लोग बिना हेलमेट यात्रा करने वाले लोग होते हैं। हेड इंजरी का इलाज करने के लिए ज्यादा पैसों की जरूरत पड़ती है। और आज भारत में मदद मांगने वालों की लिस्ट लंबी होती जा रही है। हेलमेट मैन अपने मित्र को खोने के बाद पिछले 7 सालों में 50 हजार से भी ज्यादा हेलमेट निशुल्क बांट चुके हैं और अपना मिशन भारत के 22 राज्यों तक पहुंचा चुके हैं। इनके कार्य की सराहना भारत के परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और भारतीय अभिनेता सोनू सूद भी कर चुके हैं। इनके महान कार्यों के लिए विश्व भर से लोग इन्हें बधाई देते हैं.अपने इस मिशन को लेकर हेलमेट मैन काफी उत्साहित हैं गौतम बुध नगर के डीएम सुहास यथिराज एलवाई, पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह, ट्रैफिक डीसीपी गणेश प्रसाद साहा सभी अधिकारियों ने हरी झंडी दे दी है। सिर्फ ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी और नोएडा अथॉरिटी से जगह मिलने का इंतजार है।

जिले में 22 नवंबर से चलेगा फाइलेरिया उन्मूलन अभियान

3673 टीम करेंगी प्रतिभाग

753 सुपरवाइजर किये गए नियुक्त

लखनऊ। राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत 22 नवम्बर से शुरू होने वाले सामूहिक दवा सेवन (एमडीए) की तैयारियों को लेकर जिले के एक होटल में सेन्टर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफार) संस्था के सहयोग से मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. मनोज अग्रवाल ने कहा – फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत सामूहिक दवा सेवन जनपद में 22 नवंबर से 7 दिसम्बर तक चलेगा। इस अभियान को सफल बनाने में मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। इसलिए आप लोग इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाकर इसे सफल बनाएं।

राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा. के.पी. त्रिपाठी ने बताया – एमडीए के तहत आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घरदृघर जाकर लोगों को फाइलेरिया की दवा (एल्बेंडाजोल और डाईइथाइलकार्बामजीन) खिलाएँगी। दो साल से कम आयु के बच्चों, गर्भवती और गंभीर रोगों से ग्रसित व्यक्तियों को इन दवाओं का सेवन नहीं करना है। दवा को चबाकर खाना है। खाली पेट दवा का सेवन नहीं करना है। इसलिए 11 बजे से दवा खिलानी शुरू की जाएगी तब तक सभी लोग नाश्ता कर लेते हैं।

जनपद में अभियान की तैयारियों के लेकर नोडल अधिकारी ने बताया कि जिले को 19 इकाइयों में बांटा गया है – 11 ग्रामीण और 8 शहरी । कुल 3673 टीमें घर घर जाकर लोगों को अपने सामने ही दवा खिलाएंगी । हर टीम एक दिन में 25 घरों का भ्रमण करेगी। दवा के सेवन के प्रतिकूल प्रभाव से बचाव के 100 आरआरटी टीमों का गठन किया गया है । पूरे अभियान की निगरानी के लिए 753 सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं। इसके साथ ही कोई समस्या होने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के कंट्रोल रूम नंबर – 0522–4523000 पर कॉल कर समस्या का समाधान कर सकते हैं। इसके साथ ही प्रतिदिन शाम को पूरे दिन के अभियान की समीक्षा की जाएगी। डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि मरते हुए परजीवियों के प्रतिक्रिया स्वरूप कभी–कभी दवा का सेवन करने के बाद सिर दर्द, शरीर दर्द, बुखार, उल्टी तथा बदन पर चकत्ते एवं खुजली देखने को मिलती है लेकिन इससे घबराने की जरूरत नहीं है। यह लक्षण आमतौर पर स्वतः ठीक हो जाते हैं। में ब्रेस्ट में सूजन या जाती है। पाँच सालों तक लगातार साल में एक बार दवा का सेवन करने से इस बीमारी से बचा जा सकता है। फाइलेरिया से हम एमडीए के तहत दवा खाकर बच सकते हैं। प्रोजेक्ट कंसर्न इंटरनेशनल

डा. त्रिपाठी ने बताया कि जो लोग फाइलेरिया से पीड़ित हैं वह भी इस दवा का सेवन जरूर करें।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि डा. तनुज ने कहा– फाइलेरिया मच्छर के काटने से होने वाला संक्रामक रोग है, जिसे सामान्यतः हाथी पाँव के नाम से भी जाना जाता है। मच्छर जब किसी फाइलेरिया ग्रसित व्यक्ति को काटता है तो फाइलेरिया के परजीवी जिन्हें हम माइक्रो फाइलेरिया कहते हैं, वह मच्छर के रक्त में पहुँच जाता है और यही मच्छर जब किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो फाइलेरिया के परजीवी स्वस्थ व्यक्ति के रक्त में पहुँच कर उसे संक्रमित कर देते हैं। इस बीमारी में लिम्फ नोड (लसिका ग्रंथियों) में सूजन जिसके कारण हाथ ,पैरों में सूजन(हाथी पाँव), पुरुषों में अंडकोष में सूजन (हाइड्रोसील) और महिलाओं (पीसीआई) के राज्य प्रतिनिधि ध्रुव सिंह ने कहा – आप मीडिया के लोग समुदाय में लोगों को जागरूक करें कि स्वास्थ्य कार्यकर्ता जब घर में फाइलेरिया का दवा का सेवन कराने आयेँ तो दवा जरूर खाएं । यह आपके फायदे के लिए है ।

कार्यशाला के अंत में सीफार के सहयोग से आकार फाउंडेशन के कलाकारों ने फाइलेरिया विषय पर नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। नाटक के माध्यम से कलाकारों ने बीमारी की गंभीरता को बताया तथा दवा का सेवन करने की अपील की।

इस मौके पर जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी योगेश रघुवंशी सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और कर्मचारी पाथ संस्था से डा. (मेजर) पूनम मिश्रा तथा सीफार की टीम उपस्थित रही।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। आज दिनांक 20.11.2021 को तहसील दिवस के अवसर पर तहसील बांगरमऊ में जनता की समस्याओं को सुनकर निस्तारण कराते हुए श्रीमान जिलाधिकारी महोदय उन्नाव एवं श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव ।

प्रभावी पैरवी से दहेज हत्या के 03 आरोपी अभियुक्तो को हुई 07–07 वर्ष के सश्रम कारावास व पांच–पांच हजार के अर्थदण्ड की सजा

अवध की आवाज ब्यूरा

गोंडा। दिनांक 13.02.2017 को थाना खरगूपुर क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम सेवरहा मे घटित घटना से संबंधित 03 अभियुक्तों 01. सत्यदेव शुक्ला 02. श्रीमती कैलाशा देवी 03. श्रीमती नीतू नि0गण सेवरहा थाना खरगूपुर जनपद गोंडा ने वादी संसार मणि की पुत्री को दहेज की अतिरिक्त मांग को लेकर प्रताड़ित करते हुए जान से मार दिया था। जिसमे पुलिस द्वारा अभियोग पंजीकृत कर उक्त अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। दहेज हत्या जैसे जघन्य अपराधों को प्राथमिकता पर रखते हुए पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा ने समय समय पर बैठक कर सशक्त व प्रभावी पैरवी कर अभियुक्तो को जल्द से जल्द सजा करवाने के निर्देश दिये थे। उक्त के निर्देश के अनुक्रम में मॉनिटरिंग सेल व थाना खरगूपुर के पैरोकार राहुल यादव के द्वारा निरंतर की गई सशक्त व प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप उक्त अभियुक्तों को माननीय न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट गोंडा ने 07–07 वर्ष के सश्रम कारावास व रुपये पांच–पांच हजार के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

देव दीपावली के अवसर पर कानपुर महानगर के घाट जगमगा उठे

अवध की आवाज ब्यूरो

कानपुर नगर। कानपुर के 24 घाटों पर पुरे विधि विधान से देव दीपावली मनाई गई। इस दौरान लोगों ने घाटों पर श्रद्धा दीप जलाए। शुक्रवार की शाम लोगों की भीड़ घाटों पर उमड़ने लगी और मां गंगा की महाआरती के साथ देव दीपावली का आगाज हुआ। देव दीपावली समिति के किया गया। केंद्रीय प्रोग्राम अटलघाट पर हुआ , जहां शाम चार बजे से भजन संध्या के साथ ही गंगा महाआरती भी आयोजन हुआ। इस मौके पर गाय के गोबर से बने 11 हजार दीप गंगा में दान किये गए। इसके अलावा रंगोली आदि के भी प्रोग्राम से सज सज्जा में चार चांद लग गए । गंगा में आंटे से बने दीये भी दान किये गए, जिससे मछलियों

अध्यक्ष बाल योगी महाराज अरुण पुरी द्वारा सिद्धनाथ घाट पर मां गंगा की पूजा अर्चना एवं आरती कर 5100 दीपों का दान किया गया। घाटों के चारों तरफ जलते हुए दीप घाट की खूबसूरती में चार चांद लगा रहे थे। ऐसे में शाम आठ बजे तक गंगा किनारे का दृश्घ्य काफी अद्भुत था। कहीं रंगोली के रूप में दिए जलाए गए, तो कहीं जलते हुए दीयों से देव दीपावली लिखी गई।और कहीं कहीं पर शुभ लाभ पर दीप जलाए गए। थोड़ी देर के लिए ऐसा लगा मानो कानपुर शहर इस घाट पर उमड़ पड़ा हो। कानपुर नगर के गंगा देव दीपावली समिति द्वारा आज 19 नवंबर को महानगर के 24 गंगा घाटों पर देव दीपावली मनाकर एक लाख दीपों का दान को भोजन भी मिल सके। बिठूर से लेकर ड्योढ़ी घाट तक 24 गंगा घाटों पर हुए देव दीपावली पर दीपोत्सव। इनमें बिठूर के ब्रह्मावर्त घाट के अलावा बिठूर का लक्ष्मण घाट, पेशवा घाट, अटलघाट, मैगजीन घाट, रानी घाट, भैरोघाट, गणेश घाट, आनंदेश्वरघाट परमट, कमलेश्वर घाट परमट, श्यामघाट, कालीघटिया घाट, बाबा घाट, सरसैया घाट, भगवतदास घाट, गुप्तार घाट, नानाराव घाट, गोला घाट, कोयला घाट, डबकेश्वर घाट, बंगाली घाट, सिदनाथ घाट, शेखपुर घाट और ड्योढ़ी घाट शामिल रहे। इन सभी घाटों पर दीपोत्सव के लिये अलग–अलग समितियां बनाई गई थी। गंगा दीपोत्सव प्रोग्राम में प्रशासनिक अधिकारी और जन प्रतिनिधि मौजूद रहें।

कृषि कानूनों की वापसी से किसानों में हर्ष की लहर

किसान मंच ने कहा देर आयद दुरुस्त आयद

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। केंद्र सरकार द्वारा पारित किए गए नए कृषि कानूनों को लेकर पूरे देश में किसानों के बीच जबरदस्त विरोध की लहर थी। इस विरोध को देखते हुए आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मीडिया के सामने आकर तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने की बात कही। उन्होंने कहा कि लोगों को समझा नहीं पाए। तीनों कानूनों की वापसी की बात फैलते ही जहां एक तरफ किसानों के बीच हर्ष की लहर दौड़ गई, वही जनपद के अलग–अलग किसान नेताओं ने फैसले की वापसी को किसानों के संघर्ष की जीत बताते हुए अपनी

टिप्पणियां मीडिया के साथ साझा की। किसान मंच के राष्ट्रीय सचिव शिव प्रकाश सिंह ने कहा कि सत्ता के नशे में चूर मोदी सरकार द्वारा,पारित तीनों काले कृषि कानूनों की वापसी,इस बात का प्रमाण है कि किसान आन्दोलन अपने जायज हकों के लिए था। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की जिम्मेदारी बनती है कि अपने तुगलकी फरमानों से आन्दोलन के लिए मजबूर किसानों में,शहीद हो चुके किसान भाइयों के परिवारों को पचास्पचास लाख मुवावजे की व्यवस्था के साथ

परिवार में एक एक सरकारी नौकरी मुहय्या कराई जाए! संगतिन किसान मजदूर संगठन से ऋचा सिंह ने कहा कि किसान विरोधी यह कानून वापस नहीं लिया गया है बल्कि किसानों ने अपने संघर्षों से इसे वापस लेने के लिए सरकार को बाध्य किया है। सही मायने में यह किसानों की एक बड़ी जीत है।अभी एम एस पी पर कानून बनना बाकी है। गन्ना मूल्य और भुगतान की बात तय होनी है। पराली का मामला, 15 साल पुराने ट्रैक्टर, बिजली बिल, बीज बिल जैसे किसानों के ढेरों मुद्दे हैं। वह तय होने बाकी हैं। फिर भी सभी को बधाइयां किसानों ने साबित किया है कि सत्य की जीत होती है। किसान मंच की प्रदेश अध्यक्ष (महिला) अल्पना सिंह ने कहा कि आज किसान आन्दोलन में एकजुटता,और किसानों की दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर,भाजपा

सरकार को उसी के द्वारा थोपे गए कृषि विरोधी काले कानून वापस लेने पड़े हैं!भविष्य में सत्तारूढ़ दलों को सोंचना होगा की अब जागरूक हो चुके किसानों को गुमराह कर उनके शोषण के सभी मुद्दों पर इसी तरह के विरोध

का सामना करना होगा! संयुक्त किसान मोर्चा के संयोजक पिंदर सिंह सिद्धू ने कहा कि किसानो का संघर्ष रंग लाया और विगत एक वर्ष से अपने हकों के लिए आंदोलन में शहीद हो चुके किसानों की शहादत व्यर्थ नहीं गई!आठ सौ किसानों की कुर्बानी ने सत्ताशीन अहंकारी मोदी सरकार को घुटनों के बल झुकने के लिए मजबूर कर दिया!अब भी एम एस पी कानून को अमलीजामा पहनाने और पराली आदि पर अमल होना शेष है!यदि एम एस पी कानून धरातल पर होता तो अपनी फसलों की बिक्री के लिए किसानों को दर दर भटकना न पड़ता! किसान नेता गुरुपाल सिंह ने कहा कि किसानों में खुशी की लहर है। किसान आन्दोलन में संयुक्त किसान मोर्चा की सफलता इस बात का प्रमाण कि कृषि विरोधी काले कानून हम किसानों पर जबरदस्ती थोपे गए थे!और मोदी सरकार ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है। किसान नेता उमेश पाण्डे ने कहा कि अपनी मेहनत और किस्मत का मूल्यांकन हम सभी को करने का दायित्व स्वतंन्त्र भारत में स्वतंन्त्र नागरिक के नाम पर मिला है? फिर भी हम किसानों के विरोध में लोग पुरानी परिपाटी के सहारे शोषण करना चाहते हैं? परिणाम सभी की नजरों के सामने है।किसान मंच के मंडल प्रवक्ता दिनेश शुक्ला ने इसे किसानों की हक की लड़ाई में जीत बताते हुए कहा कि जनता पर जबरन थोपे गए हर फैसले का यही अंजाम होगा। जिला प्रभारी अंबुज श्रीवास्तव ने फैसला वापसी को 800 से ज्यादा शहीद हुए किसानों और लंबे समय से सड़कों पर बैठे किसानों की जीत बताया।

अधिक से अधिक वैक्सीनेशन को लेकर सीएमओ ने किया कदौरा क्षेत्र का निरीक्षण

नगर वार्डो में लगे कैम्प में स्थिति देख दिए वैक्सीनेशन के निर्देश

अवध की आवाज ब्यूरो

कदौरा/जालौन। शाशन की मंशानुरूप स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी वैक्सीनेशन अभियान के तहत शेष लोगो को वैक्सीन लगवाने की कवायद जारी है जिसमे वार्ड सहित ग्रामीणांचल में कैम्प के जरिये छूटे लोगो को वैक्सीन लगाई जा रही है जिसके सिलसिले में सीएमओ द्वारा वार्ड टू वार्ड निरीक्षण कर टीम को निर्देश देते हुए जनता को वैक्सीनेशन के लिए जागरूक किया गया। ज्ञातव्य हो कि जिलाधिकारी के निर्देशन में नगर ग्रामीणांचल में शत प्रतिशत वैक्सीनेशन को लेकर अभियान जारी है जिसमे स्वास्थ्य विभाग द्वारा गठित टीम द्वारा नगर गांवो में कैम्प लगाकर छूटे लोगो को वैक्सीन लगाने का कार्य किया जा रहा है जिसमे शुक्रवार को सीएमओ एन डी शर्मा द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य कदौरा में सर्व प्रथम स्वास्थ्य सेवाओ का जायजा लिया गया एव मौजूद मरीजों से बात चीत कर उनका उपचार भी किया गया एव स्टाफ से बात चीत करते हुए निर्देश दिए कि केंद्र में मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।ईसके पश्चात नगर के वार्ड सीर व अम्बेडकर नगर का निरीक्षण करते हुए बैठी से बात चीत की गयी एव कैम्प का निरीक्षण करते हुए लगाई जा रही वैक्सीन की जानकारी लेते हुए कितने लोगों को वैक्सीन लगाई गई आदि जानकारी ली गई एव डोर टू डोर जाकर वैक्सीनेशन की जानकारी ली गई साथ ही जिनके वैक्सीन नही लगी उन्हके कैम्प ले जाकर वैक्सीन लगवाई ग्रेई वही सीएमओ द्वारा स्वास्थ्य टीम सहित सार्वजनिक लोगो को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक वैक्सीनेशन के लिए लोगो को जागरूक करते हुए अपनी जिम्मेदारी निभाये जिससे सभी लोगो को वैक्सीन लगवाई जा सके मौके पर चिकित्साधीकारी डॉ अशोक चक द्वारा लगाई गई टीम में रमन कुमार विधा बाथम सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

कांग्रेसियों ने निकाली प्रतिज्ञा यात्रा, भाजपा सरकार हटाने का लिया संकल्प

अवध की आवाज ब्यूरो

सिधौली–सीतापुर। विधानसभा सिधौली में कमला रावत के नेतृत्व में ब्लॉक गोंदलाऊ के विभिन्न क्षेत्रों में शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रतिज्ञा यात्रा निकाली। यह यात्रा बालपुर से हिण्डौरा, अल्लीपुर, लछिमनपुर, पटोरिया, कुर्सी होते हुए गौरिया, तौंकलपुर तक गई। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार हटाने का संकल्प लिया। यात्रा की शुरुआत ग्राम बालपुर में स्व० इंदिरा गांधी जी के जन्मदिवस पर चित्र पर पुष्प अर्पित कर कांग्रेस नेत्री कमला रावत, ब्लाक अध्यक्ष विनय यादव आदि ने की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो कहती है वह करती है। कमला रावत ने कहा कि भाजपा जुमलेबाजी से काम चला रही है। इस सरकार में महिलाओं व दलितों की सुरक्षा ताक पर है। कांग्रेस जिला महासचिव संतोष मिश्रा ने कहा कि उपचुनाव के नतीजे को देखकर डीजल व पेट्रोल के दाम कम होने लगे। अगर जनता प्रदेश व देश में भाजपा को सबक सिखाएगी तो हर तरफ खुशहाली आएगी। यात्रा में आयुष रावत,मिहीलाल रावत, विश्राम भार्गव,संगीता भारती, पिंकी , श्रध्दा देवी आदि मौजूद रहे।

पंचनद मेला का वैदिक मंत्रों के बीच भव्य शुभारंभ

अवध की आवाज ब्यूरो

माधौगढ ,जालौन। बुंदेलखंड के प्रसिद्ध पंचनद मेला का क्षेत्रीय विधायक ने वैदिक मंत्रों के बीच फीता काटकर भव्य उद्घाटन किया। जनपद जालौन के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल पंचनद पर सात दिवसीय मेला का आज शुभारम्भ हो गया है। क्षेत्रीय विधायक मूलचंद निरंजन ने सैकड़ों लोगों की उपस्थिति में वैदिक मंत्रों के बीच फीता काटकर मेला का भव्य उद्घाटन किया तदोपरांत श्री बाबा साहब मंदिर में विराजमान संत श्री मुकुंदवन जी के चरणों में माथा टेका। इस अवसर पर प्रजापति ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी उन्होने उद्घाटन किया। क्षेत्रीय विधायक मूलचंद निरंजन ने कहा कि पंचनद विश्व का अद्वितीय तीर्थ क्षेत्र है इसके विकास के लिए प्रदेश सरकार सतत प्रयत्नशील है किंतु स्थानीय ग्रामीणों के असहयोग के कारण विकास को गति नहीं मिल पा रही है, उन्होंने कहा कि जगम्मनपुर से पंचनद पुल तक दो लेन सीसी रोड का निर्माण दिसंबर माह से प्रारंभ हो जाएगा । इस अवसर पर श्री बाबा साहब मंदिर प्रबंध समिति के कोषाध्यक्ष रामअवतार तिवारी ने उपस्थित अतिथियों का तिलक लगाकर स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान मनोज सिंह सेंगर ने की एवं श्री बाबा

साहब मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष हरगोविंद सिंह ने आगंतुक अतिथियों का आभार व्यक्त किया । इस मौके पर ब्लाक प्रमुख रामपुरा अजीत सिंह सेंगर, ब्लाक प्रमुख माधौगढ़ चिंतामन दोहरे ,विधायक प्रतिनिधि महेश सिंह राजावत, प्रमोद सिंह सेंगर पूर्व सदस्य जिला पंचायत ,विजय द्विवेदी भाजपा मंडल महामंत्री, जगदीश सिंह सेंगर गुढा, संतोष प्रजापत भाजपा मंडल उपाध्यक्ष, अमर सिंह पाल मई ,हरेंद्र सिंह चंदेल जगम्मनपुर, मनोज चौरसिया ,बृजेश प्रजापत पूर्व सदस्य जिला पंचायत, महेंद्र सिंह सेंगर पतराही ,राहुल सेंगर भिटौरा, मोहित पाल बीडीसी, राहुल शाक्यवार बीडीसी माधौगढ़ ,विक्रम सिंह पूर्व प्रधान रुद्रपुरा , अनूप कुमार झा मिंटू पूर्व प्रधान जगम्मनपुर, रामकुमार बाबा सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

घर से बुलाकर अज्ञात हत्यारो ने गोली मारकर युवक को उतारा मौत के घाट

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। गुरूवार रात को एक 27 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या के बाद शव के ऊपर बाइक रखकर शव को जलाने का प्रयास किया गया लेकिन शव नही जला। घटना में दी। मृतक के परिवारीजन के मुताबिक रोहित के मोबाइल पर गुरूवार को शाम सात बजे फोन आया और उसके बाद रोहित ने बताया कि वह बुढ़ियावारी पुरवा में रामलीला देखने जा रहा हैं। फिर शुक्रवार सुबह 8 बजे सूचना मिली

मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने पांच लोगों के विरूद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज किया हैं। मौके पर पुलिस टीम जांच में जुटी हैं। घटना उमरी बेगमगंज थाना क्षेत्र के मरगूबपुर की हैं। यहां के रोहित पांडेय (27) पुत्र कृपाशंकर पांडेय को गांव के ही कुछ अज्ञात लोगों ने सर पर गोली मारकर हत्या कर कि घर से करीब 1 किमी की दूरी पर खेत के पास खून से लथपथ शव पड़ा हैं जिसके ऊपर बाइक पड़ी हैं और बाइक की तेल की टंकी जली हैं। मृतका के मां माधुरी ने बताया कि मेरे बेटे के शरीर पर कई जगह गोली लगी थी और मेरे बेटे के शव को जलाने का भी प्रयास किया गया था। मृतक के परिवारीजन ने डायल 100 व पुलिस को सूचना दी। सूचना पर डायल 100, थानाध्यक्ष करूणाकर पांडेय, सीओ संसार सिंह राठी व अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज घटनास्थल पर पहुंचे। घटनास्थल पर क्यू आर टीम, फॉरेंसिंक लैब की टीम व डॉग स्क्वायड टीम ने मुआयना किया। फारेंसिक टीम ने घटनास्थल पर शव को बिखरे खून का नमूना लिया। डॉग स्क्वायड ने घटनास्थल से लेकर मृतक के घर तक मुआयना किया। मृतक के भाई अजय पांडेय ने बताया कि मेरे पिता कृपा शंकर पांडेय को भी गांव के ही कुछ लोगों ने वर्ष 2010 में शराब में जहर मिलाकर पिला दिया था जिसके बाद उनकी मौत हो गई थी। मृतक रोहित पांडेय दिल्ली में प्राइवेट नौकरी कर रहा था। चार भाईयों में रोहित सबसे छोटा था। मृतक की मां माधुरी ने बताया कि मेरे नाती की दुर्घटना में मौत हो गई थी जिसकी गवाही 30 दिसम्बर को थी। जिसमे गांव के कुछ लोग गवाही थे। उन लोगों बी को न्यायालय में गवाही दिलाने के लिए रोहित दिल्ली से आया था। थानाध्यक्ष करूणाकर पांडेय ने बताया मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही हैं।

रेलवे के गार्डों का हुआ पद परिवर्तन बनेंगे ट्रेन्स मैनेजर

शीघ्र शुरू होगी स्पोर्ट्स कोटे की ग्रुप डी की भर्ती

अवध की आवाज ब्यूरो

रायबरेली। दिनांक 17 एवं 18.11.2021 को ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन (एआईआरएफ) की रेलवे बोर्ड से संपन्न पीएम बैठक मे एन.ई. रेलवे मजदूर यूनियन (नरमू) के केंद्रीय अध्यक्ष बसंत चतुर्वेदी जो उस पीएम बैठक में सम्मिलित थे उन्होंने चेयरमैन रेलवे बोर्ड/सीईओ के समक्ष तमाम मुद्दे कर्मचारी हित में उठाए थे एआईआरएफ के महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा जी ने गार्डों के पद परिवर्तन किये जाने का मुद्दा उठाया जिस पर रेलवे बोर्ड द्वारा आदेश जारी कर दिए गए हैं और अब गार्डों का नया पद ट्रेंस गार्ड ना होगा ट्रेंस/गुड्स ट्रेंस/पैसेंजर ट्रेंस/मेल–एक्सप्रेस (ट्रेंस मैनेजर) होगा। यही नही नरमू के केंद्रीय अध्यक्ष ने लंबे समय से स्पोर्ट्स कोटे की ग्रुप डी में भर्ती न होने का मुद्दा भी उठाया जिस पर चेयरमैन रेलवे बोर्ड/सीईओ द्वारा शीघ्र ही भर्ती को बहाल किए जाने का आदेश पारित करने का आश्वासन दिया है। शीघ्र ही रेलवे के खेल भर्ती कोटे में ग्रुप डी की भर्ती प्रारंभ हो जाएगी। नरमू के कराने का निर्देश दिया। बोर्ड पीएम की बैठक में सहायक लोको पायलटों से गार्ड का कार्य कराए जाने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया इस पर भी रेलवे बोर्ड द्वारा आदेश जारी किए जाने का आश्वासन दिया गया। नरमू द्वारा टिकट चेकिंग स्टाफ के लिए कम्पोजिट ट्रैवलिंग एलाउंस (सीटीए) का मुद्दा भी उठाया गया तथा गार्ड एवं ड्राइवरों को बक्से के स्थान पर ट्रॉली बैग दिए जाने का मामला भी उठाया गया। चतुर्वेदी ने बताया कि पीएनएम की बैठक बेहद सार्थक तरीके से संपन्न हुई जिसमें चेयरमैन रेलवे बोर्ड/सी.ई.ओ. द्वारा कर्मचारी हित में फेडरेशन द्वारा उठाए गए मुद्दों को प्रमुखता से पूरा कराए जाने का आश्वासन दिया गया। नरमू के केंद्रीय अध्यक्ष द्वारा यह मुद्दा भी उठाया गया कि कुछ ट्रेनों में प्रथम श्रेणी ड्यूटी पास पाने वाले कर्मचारियों को सेकेंड–एसी (2AC) में आरक्षण नहीं दिया जा रहा है और उनके स्थान पर एक ग्रेड नीचे थर्ड–एसी (3AC) में आरक्षण दिया जा रहा है जिसपर चेयरमैन रेलवे बोर्ड/सी.ई.ओ.

केंद्रीय अध्यक्ष द्वारा काठगोदाम एवं रामनगर में यात्रियों के लिए पीने के पानी की समस्या को भी प्रमुखता से उठाया था तथा काठगोदाम, रामनगर एवं रुद्रपुर में रेलवे आवासों की भारी कमी का मामला बोर्ड की पीएनएम में प्रमुखता से उठाया जिस पर चेयरमैन रेलवे बोर्ड/सीईओ द्वारा अतिरिक्त धन आवंटन किए जाने का आदेश दिया है। केंद्रीय अध्यक्ष द्वारा सामान्य विभागीय प्रतियोगी परीक्षा (जीडीसीई) की प्रथम चरण की भर्ती पूर्ण ना होने का मुद्दा सीआरवी सीईओ के समक्ष उठाया जिस पर सी.आर.बी. एवं ई.डी.एच. आर. ने बेहद नाराजगी प्रकट करते हुए तत्काल महाप्रबंधक तथा सीपीओ से वार्ता की और जीडीसीई के प्रथम चरण को तत्काल पूर्ण द्वारा ट्रेनों में विशेष श्रेणी का दर्जा वापस करने का आदेश जारी कर दिए हैं जिससे ना केवल रेलवे कर्मचारियों को अपितु आम यात्रियों को भी लाभ होगा तथा ट्रेनों के किराए भी कम हो जाएंगे। चेयरमैन रेलवे बोर्ड/सी.ई.ओ. द्वारा यह भी कहा गया कि यदि कहीं कोई दिक्कत आती है तो यूनियन सीधे ईडीएचआर अथवा मुझे फोन कर अवगत करा सकती है। पीएनएम की बैठक से वापस आने के उपरांत मंडल कार्यालय पर संपन्न हुई बैठक में केंद्रीय अध्यक्ष द्वारा यह जानकारी दी गई। उन्होंने कर्मचारियों से अपनी एकता बनाए रखने का आह्वान किया तथा किसी भी समस्या के निराकरण हेतु किसी भी समय यूनियन कार्यालय में अवगत कराने का आह्वान किया।

थाना उमरीबेगमगंज क्षेत्र के अन्तर्गत हुए सनसनीखेज हत्याकाण्ड का मात्र 22 घण्टे के अन्दर खुलासा

अवैध तमंचा (आलाकत्ल), 03खोखा कारतूस व मृतक का मोबाइल फोन बरामद, 02 अभियुक्त गिरफ्तार

कहोबा चौराहा गोंडा। दिनांक 18/19.11.2021 को थाना उमरीबेगमगंज क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम मरगूबपुर नि0 रोहित पाण्डेय की अज्ञात लोगो द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी । जिसके सम्बन्ध में मृतक के भाई श्री अजय कुमार पाण्डेय द्वारा शक के आधार पर थाना उमरीबेगमगंज में दिनांक 19.11.21 को 05 नामजद व कुछ अज्ञात व्यक्तियों के विरूद्ध अभियोग पंजीकृत कराया गया था । इस सनसनीखेज घटना को संज्ञान में लेते हुए पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा ने थानाध्यक्ष उमरीबेगमगंज को घटना का सफल अनावरण कर दोषी अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी करने के कड़े निर्देश दिए थे तथा 05 टीमे गठित कर स्वाट/सर्विलांस को भी घटना के खुलासे के लिए लगाया था। पुलिस अधीक्षक के दिए गए निर्देशों के क्रम में व अपर पुलिस अधीक्षक श्री शिवराज के पर्यवेक्षण में एवं क्षेत्राधिकारी तरबगंज के नेतृत्व मे थानाध्यक्ष उमरीबेगमगंज व स्वाट/सर्विलांस की संयुक्त टीमों द्वारा हत्याकाण्ड का सफल अनावरण करते हुए विवेचना के दौरान प्रकाश में आये 02 आरोपी अभियुक्तों 01. रंजीत मिश्रा पुत्र अंजनी मिश्रा, 02. गुरुदयाल पासी पुत्र जगन्नाथ को आज दिनांक 20.11.2021 को बेलसर टैक्सी स्टैण्ड के पास से गिरफ्तार कर लिया गया है व अभियुक्तगणों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त आला कत्ल अवैध देशी तमंचा 12 बोर, 03 अदद खोखा कारतूस व 01 अदद मोबाइल फोन (मृतक का) पुलिस द्वारा बरामद कर लिया गया है। अभियुक्तगणों ने कड़ाई से पूछताछ के दौरान रंजीत मिश्रा ने बताया कि उसकी साली से मृतक रोहित पाण्डेय का पूर्व में प्रेम प्रसंग था मृतक ने लड़की का अश्लील वीडियों/फोटो बना लिया था और वायरल करने की धमकी दे रहा था तथा शादी करने का दबाव बना रहा था जबकि लड़की पक्ष शादी को तैयार नही थे इसी बात को लेकर अभियुक्त रंजीत मिश्रा ने अपने साथी अभियुक्त गुरुदयाल पासी के साथ मिलकर रोहित पाण्डेय की हत्या की योजना बनायी थी योजना के तहत रंजीत मिश्रा ने दिनांक 18.11.21 को फोन पर मृतक रोहित पाण्डेय को मेला देखने के बहाने बुलाया था तथा रोहित पाण्डेय को अपने साथी गुरुदयाल पासी के साथ लेकर पथरी बाजार मेला देखने गए थे। मेला से लौटते समय सुनसान स्थान देखकर उपरोक्त दोनो अभियुक्तो ने रोहित पाण्डेय की गोली मारकर हत्या कर दी थी तथा मृतक का मोबाइल फोन भी साथ लेकर चले गए थे। गठित टीमों द्वारा इस सनसनीखेज घटना को चुनौती के रुप में लेते हुए मुखबिर की सूचना व तकनीकी विधियों से महज 22 घण्टे के अंदर इस सनसनीखेज घटना का सफल अनावरण किया गया । पुलिस अधीक्षक गोण्डा द्वारा उत्साहवर्धन हेतु टीमों को 25,000 रुपये नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया ।

बच्चा जन कर मरने के लिए छोड़ गयी निर्मोही मां।

लोक लाज बचाने के लिए जंगल में फेंका गया नवजात शिशु

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। उक्त घटना थाना क्षेत्र मोती गंज के बिद्यानगर के निकट रेडौरा जंगल का है जहां एक नवजात शिशु को जन्मोपरांत किसी महिला ने रेडौरा जंगल में सड़क मार्ग से थोड़ी दूरी पर झाड़ियों की झूरमुट में डाल गई। लोग समझ भी ना पाते लेकिन तड़के लोगों को बच्चे की रोने की आवाजें हल्की हल्की आ रही थी।जिसे सुनकर लोग उस दिशा में गये देखा एक नवजात जो कांटों के बीच पड़ा हुआ था इस बात की चर्चाओं का बाजार गर्म हुआ और मौके पर सैकड़ों लोग जमा हो गए।जितनी मुंह उतनी तरह तरह की बातें। लोग ऐसी निर्मोही को अनाप–शनाप कहते हुए धिक्कार रहे थे। महिलाओं तथा कुछ अन्य लोगों ने किसी तरह बच्चे को झाड़ियों व कांटों के बीच से निकाला इस बात की सुचना थाने पर दी सुचना मिलते ही थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार हमराही पुलिस के साथ मौके पहुंचे। थाना अध्यक्ष ने तत्काल नवजात शिशु को सीएचसी काजीदेवर लेकर गये जहां प्राथमिक उपचार के बाद शिशु को जिला अस्पताल के लिए रिफर कर दिया गया। बच्चे के जंगल में मिलने की सूचना पर आसपास के गांव के लोग देखने के लिए जुट गए फिलहाल यह बच्चा कहां से लाकर यहां पर फेंका गया यह भी सवालों के घेरे में है।

पंचनद स्नान मेला में नहीं आए अपेक्षित श्रद्धालु, दुकानदार मायूस

महंगाई ने तोड़ी ग्रामीणों की कमर , कृषि कार्य भी रहा कम भीड़ का कारण

अवध की आवाज ब्यूरो

उरई, जालौन। बुंदेलखंड के प्रसिद्ध पंचनद संगम तीर्थ पर इस वर्ष श्रद्धालुओं की अपेक्षित भीड़ न जुटने से मेले में आए दुकानदारों में मायूसी दिखी बुंदेलखंड के बड़े धार्मिक मेलों में शुमार जनपद जालौन के पंचनद संगम का स्नान मेला इस वर्ष श्रद्धालु व कड़ा प्रतिबंध रहने से पंचनद का मेला भी आयोजित नहीं हो सका, इस वर्ष कोरौना महामारी से कुछ राहत मिलने पर पंचनद मेला का आयोजन होने की जानकारी होने से दूर–दूर के अनेक दुकानदार अपनी–अपनी दुकानें लेकर इस उम्मीद के साथ आए थे कि दो वर्षों से मेला न लगने के बाद अब

स्नानार्थियों की कमी के चलते फीका रहा। गत दो वर्षों से कोरोना महामारी के कारण शासन प्रशासन की ओर से किसी भी प्रकार के धार्मिक मेलों के आयोजन पर तीसरे वर्ष मेला का आयोजन हो रहा है तो निश्चय ही अधिक व्यापार होगा। गत तीन वर्ष पूर्व इस स्नान मेला में तकरीबन एक से डेढ़ लाख तक श्रद्धालु पंचनद संगम में स्नान करते थे। लेकिन इस वर्ष यह संख्या 25– 30 हजार से अधिक नहीं हुई। माना जा रहा है कि अधिक महंगाई ने गरीब व किसानों की कमर तोड़ दी है जिस कारण वह मेला में खरीददारी पर उत्साह नहीं दिखा सके, वही दूसरा कारण किसान कृषि कार्य में व्यस्त होने के कारण मेला आने में असमर्थ रहे। श्री बाबा साहब मंदिर के महंत सुमेरवन ने बताया कि पूर्णिमा की सुबह से पूरे दिन मंदिर में प्रवेश करने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ती थी वहीं इस वर्ष सहजता से श्रद्धालुओं ने दर्शन किए मेला में एवं स्नान घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। क्षेत्राधिकारी माधौगढ़ के नेतृत्व में रामपुरा थाना पुलिस एवं उपजिलाधिकारी माधौगढ़ के निर्देशन में प्रशासनिक अधिकारी मुस्तैदी के साथ मेले पर सुरक्षात्मक कडी दृष्टि रखे देखे गए।

अनियंत्रित ट्रक ने कार को मारी टक्कर,परखच्चे उड़े,चालक की दर्दनाक मौत

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोण्डा। जिले के वजीरगंज स्थित अयोध्या–गोण्डा हाइवे पर गुरुवार की देर रात दयानंद इंटर कॉलेज के समीप एक अनियंत्रित ट्रक की जोरदार टक्कर से एक कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक नवाबगंज थानाक्षेत्र के धर्म पुरवा निवासी हरिओम तिवारी 38, बीती मध्य रात्रि में गोंडा से अपनी वैगन आर कार से घर लौट रहे थे कि,हाईवे पर दयानंद वैदिक इंटर कॉलेज के समीप सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी वैगन आर को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। जिससे कार के परखच्चे उड़ गए तथा कार सड़क के किनारे स्थित एक ढाबली में जा घुसी। इस हादसे में कार चला रहे हरिओम तिवारी की मृत्यु हो गई।दुर्घटना की जानकारी होने पर आसपास के लोगों की मदद से एंबुलेंस द्वारा उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया गया किंतु चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।वहीं सूचना पर सहयोगियों के साथ मौके पर पहुंचे उपनिरीक्षक दिलीप सिंह ने बताया कि, ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है व शव को पोस्टमार्टम हेतु मुख्यालय भेज दिया है। तथा अन्य विधिक

कार्यवाही प्रचलित है।वहीं घटना की सूचना परिजनों को प्राप्त होते ही घर में कोहराम मचा हुआ है।

यातायात माह नवम्बर-२०२१, जनपद-उन्नाव। पुलिस की पाठशाला का हुआ आयोजन, छात्र-छात्राओं को किया गया जागरूक

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव के कुशल निर्देशन में दिनांक 20.11.2021 को पैट्रियोट इंटर कॉलेज प्रांगण में अमर उजाला फाउंडेशन व यातायात विभाग के संयुक्त तत्वाधान में यातायात माह नवंबर–2021 के तहत यातायात के नियमों की जागरूकता हेतु पुलिस की पाठशाला का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र–छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। पुलिस अधीक्षक एवं अपर पुलिस अधीक्षक उन्नाव द्वारा मां वीणापाणि के चरणों में दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात यातायात नियमों की जानकारी विस्तृत रूप से छात्र छात्राओं को दी गई व छात्राओं को 1090 तथा पुलिस हेल्पलाइन नंबरों के विषय में जागरुक किया गया।

पलिया विधायक रोमी साहनी ने पहले की तरह फिर एक गरीब बेटी की शादी का पूरा जिम्मा लिया

अवध की आवाज ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। पलिया विधायक रोमी साहनी के घर पलिया में होगी गरीब बिटिया राखी की शादी और कल आशीर्वाद देकर राखी की डोली को करेंगे विदा ,पलिया विधायक है राखी के मामा ने विधायक रोमी साहनी से बताया कि मेरी भांजी मेरे पास रहती है जिसकी शादी तय करदी है आप मेरी भांजी की शादी में मदद कर दीजिए, विधायक ने गरीब बेटी की शादी का पूरा जिम्मा लिया

रोमी साहनी ने पहले की तरह फिर एक गरीब बेटी की शादी का पूरा जिम्मा लिया, ग्राम मटेहिया की राखी पुत्री जगमोहन की माँ का बचपन मे ही देहांत हो गया था और राखी का पिता बेटी से कोई वास्ता नही रखता है, राखी अपने मामा दीपक पुत्र लालाराम के घर भीरा में रहती और लड़की के मामा से विधायक ने कहा पूरी बारात के खाने–पीने का इंतजाम मैं स्वयं करवाऊंगा ओर बिटिया की शादी में किसी भी प्रकार की कमी नही होने दूंगा, और विधायक रोमी साहनी कल अपने निवास स्थान पलिया से गरीब बिटिया राखी को ससुराल के लिए करेंगे विदा।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954
मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।